mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-137 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

20 मई 2025 मंगलवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

खेल मंत्री ने खेलो ...
@ पेज 7

नेहरू ने किसानों का पेट काटकर पाकिस्तान को पानी दिया, पीएम मोदी ने ...

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को पूसा भवन में किसानों के साथ मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने सिंधु जल समझौते और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि अब

● किसानों से बोले कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान

तक किसानों के हक का पानी पाकिस्तान जा रहा था, लेकिन पीएम मोदी ने कई सालों से चले आ रहे अन्याय को खत्म कर दिया। उन्होंने पाकिस्तान पर चुटकी लेते हुए कहा कि पाकिस्तान सोच रहा था कि, तुर्किए, चीन के ड्रोन, मिसाइल दाग कर वो भारत को डरा लेगा, लेकिन सेना ने उनके ड्रोन और मिसाइल को खिलौनों की तरह मार कर गिराया। अब उस मलबे से हमारे बच्चे खेल रहे हैं। तीन दिन में पाकिस्तान घुटनों पर आ गया। गर्व है हमारी सेना के शौर्य पर। मैं उनको प्रणाम करता हूं।

सिंधु जल समझौते को लेकर उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक फैसला है। सिंधु जल समझौता रद्द कर दिया गया, ये साधारण घटना नहीं है। सिंधु जल समझौता जब हुआ तब पंडित जवाहर लाल नेहरू जी प्रधानमंत्री थे, उन्होंने 80त्न पानी पाकिस्तान को दे दिया। केवल पानी ही नहीं दिया, पानी के साथ 83 करोड़ रूपए भी दिए, जिसकी वर्तमान में कीमत है 5 हजार 500 करोड़ रूपए।

शिवराज ने कहा कि अपने देश के किसानों का पेट काटकर हम उनको पानी दे रहे, जो आतंकियों को पैदा करने के लिए जवाबदार हैं। भारत के जल विशेषज्ञ प्रतिनिधियों ने सिंधु जल संधि का विरोध किया, लेकिन पंडित नेहरू जी ने दखल दिया और ये समझौता करने पर विवश किया। अटल जी ने भी 1960 में संसद में इस समझौते का विरोध करते हुए कहा था कि, ये नहीं होना चाहिए था। प्रधानमंत्री मोदी जी ने इस ऐतिहासिक अन्याय को समाप्त किया, हम उनका अभिनंदन करते हैं।

कृषि मंत्री ने कहा कि सारी संभावनाओं पर विचार करके कैसे भारत के किसानों के हक में, हित में इस पानी का उपयोग किया जाए, उसकी योजना बनाई जाएगी। उन्होंने कहा ÷मेरे लिए किसानों की सेवा भगवान की पूजा है।

संक्षिप्त समाचार

रूस ने एमनेस्टी इंटरनेशनल पर लगाया प्रतिबंध, बताया अवांछनीय संगठन

मास्को (एजेंसी)। रूसी अधिकारियों ने बड़ कदम उठाते हुए सोमवार को अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार समूह एमनेस्टी इंटरनेशनल को 'अवांछनीय संगठन' करार देते हुए इसे प्रतिबंधित कर दिया। एमनेस्टी इंटरनेशनल को 'अवांछनीय संगठन' के रूप में घोषित करने का फैसला 2015 के कानून के तहत लिया गया है, जिसके तहत ऐसे संगठनों के साथ भागीदारी अपराध है। रूसी महा अभियोजक के कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में घोषित किया गया यह

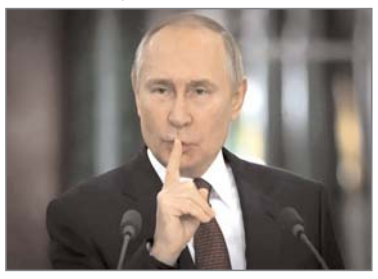

निर्णय क्रेमलिन के आलोचकों, पत्रकारों और कार्यकर्ताओं के खिलाफ लगातार कार्रवाई का नया चरण है, जो फरवरी 2022 में रूस के यूक्रेन के साथ युद्ध छेड़ने के बाद काफी बढ़ गया। इस फैसले के साथ ही अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार समूह को रूस में सभी कार्य बंद करने होंगे और जो लोग इसके साथ सहयोग करेंगे या इसका समर्थन करेंगे, उनके खिलाफ मुकदमा चलाया जाएगा। बता दें कि, एमनेस्टी इंटरनेशनल एक अंतरराष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठन (ह्तह्र) है, जो दुनिया भर में मानवाधिकारों की रक्षा और उनके प्रचार-प्रसार के लिए काम करता है। इसकी स्थापना 1961 में ब्रिटिश वकील पीटर बेनेन्सन द्वारा की गई थी। इसका मुख्यालय लंदन, यूनाइटेड किंगडम में स्थित है। एमनेस्टी इंटरनेशनल का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हर व्यक्ति को उसके मूलभूत मानवाधिकार मिलें, जिनकी गारंटी %सार्वभौमिक मानवाधिकार घोषणा पत्र% के अंतर्गत दी गई है। यह संगठन विशेष रूप से निम्नलिखित मुद्दों पर कार्य करता है।

इजरायली सेना ने सुना दिया फरमान, गाजा के दूसरे सबसे बड़े शहर को खाली करने का दिया आदेश

तेल अवीव (एजेंसी)। इजरायली सेना ने गाजा में नया जमीनी अभियान शुरू किया है। इस बीच सेना ने गाजा के दूसरे सबसे बड़े शहर खान यूनिस और आसपास के कस्बों के निवासियों को क्षेत्र खाली करने का आदेश जारी किया है। सैन्य प्रवक्ता अविचाय अद्रई ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर आदेश पोस्ट करते हुए कहा कि पूरा क्षेत्र 'एक खतरनाक युद्ध क्षेत्र माना जाएगा।' क्षेत्र खाली करने का यह आदेश ऐसे समय में आया है जब इजरायल ने गाजा में युद्ध तेज कर दिया है। इस बीच यहां यह भी बता दें कि, इजरायल की ओर से गाजा में लगातार हमले किए जा रहे हैं। हमलों के बीच इजरायल की ओर से घोषणा की गई कि वह लगभग तीन महीने की नाकाबंदी के बाद गाजा में सीमित मात्रा में मानवीय सहायता की अनुमति देगा। खाद्य सुरक्षा पर वैश्विक विशेषज्ञों की ओर से अकाल की चेतावनी दिए जाने के कुछ दिन बाद इजरायल ने इस तरह का कदम उठाया है। गौरतलब है कि, हमास ने सात अक्टूबर 2023 को इजरायल पर हमला किया था जिसके बाद जंग शुरू हुई थी। हमले में आर्तकियों ने लगभग 1,200 लोगों की हत्या कर दी थी जिनमें ज्यादातर आम नागरिक थे और 251 लोगों को बंधक बना लिया गया था।

खेल-खेल में 4 मासूमों ने कार में तोड़ा दम, 6 घंटे बाद बरामद हुए शव

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले से एक बेहद हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहां एक कार के अंदर बंद हो जाने के कारण दम घुटने से 4 बच्चों की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि घर के बाहर खेल रहे बच्चे वहां मौजूद एक कार में रविवार दोपहर करीब 12 बजे घुसे थे। इसके बाद वे बाहर नहीं निकल पाए, क्योंकि बच्चों के अंदर प्रवेश करने के बाद कार के दरवाजे अपने आप बंद हो गए थे। उन्होंने कहा, ऐसा लगता ?है कि बच्चों के कार में घुसने के बाद वाहन का 'ऑटो-लॉक सिस्टम' चालू हो जाने के कारण वे अंदर फंस गए।

घटना ब्रायपुडी गांव की है। बच्चों के शव 6 घंटे बाद रविवार शाम छह बजे बरामद किए गए। पुलिस ने बताया कि वहां से गुजर रही एक महिला ने कार के शीशे में देखा और पाया कि बच्चे अंदर बेसुध पड़े हैं, जिसके बाद उसने शोर मचाया। पुलिस के अनुसार, मालिक ने घर के पास जगह की कमी के कारण कार को गांव के बाहरी इलाके में पार्क किया था। पुलिस ने बताया कि खेलते-खेलते बच्चों का ध्यान खाली वाहन पर गया। चारों बच्चों ने कार का ताला खुला पाया, उसके बाद दरवाजा खोला और अंदर चढ़ गए। उस समय सड़क पर कोई और मौजूद नहीं था। पुलिस के मुताबिक, एक लड़का कथित तौर पर पहले बेहोश हुआ और फिर उसकी मौत हो गई, जबकि बाकी तीन को शायद गर्मी और ऑक्सीजन की कमी के कारण घबराहट हुई होगी, जिससे उनकी मौत हुई। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला कि कार में चाइल्ड लॉक नहीं था। पुलिस को संदेह है कि बच्चों ने गलती से सेंट्रल लॉकिंग सिस्टम को चालू कर दिया, जिससे वे अंदर बंद हो गए।

उत्तराखंड में भारी बारिश के चलते नाले उफान पर

पीपलकोटी में 4 गाड़ियां मलबे में दबीं, बद्रीनाथ हाइवे बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड के चमोली के पीपलकोटी टंगणी क्षेत्र में मूसलाधार बारिश से बरसाती नाला उफान पर आ गया। इससे आम जन-जीवन प्रभावित हुआ है। पीपलकोटी में भूल्खलन के चलते चार गाड़ियां मलबे में फंस गईं। इन गाड़ियों को मलबे से निकाल दिया गया है। टंगड़ी पागल नाला भी उफान पर आ गया है, जिससे बद्रीनाथ हाई बंद हो गया है। हाइवे को खोलने का काम जारी है। टिहरी- गाडोलिया-श्रीनगर मार्ग एनएच-707 पर पोखाल के पास मगरों में एक यात्री बस हादसे का शिकार हो गई। बस बद्रीनाथ धाम जा रही थी और मगरों में सड़क किनोर खड़ी थी। सभी यात्री पास के होटल में खाना खा रहे थे। खाना खाने के बाद तीन यात्री ही बस में चढ़े थे, तभी बस अनियंत्रित होकर 10 मीटर नीचे एक मकान की छत में गिर गई। इस हादसे में तीन यात्री घायल हो गए। तीनों यात्रियों को 108 एंबुलेंस से बेस अस्पताल श्रीनगर ले जाया गया। बस में सवार सभी यात्री ओडिशा के रहने वाले हैं और सभी सुरक्षित हैं।

ग्लेशियरों के पिघलने और आसपास के क्षेत्रों

में बारिश होने के कारण पंडोह बांध का जलस्तर बढ़ रहा है। अधिकारियों ने सोमवार को आम जनता और पर्यटकों को व्यास नदी के किनारों पर न जाने की चेतावनी दी है क्योंकि जल स्तर बढ़ने के कारण बांध के गेट कभी भी खोले जा सकते हैं। हिमाचल प्रदेश में सोमवार को विभिन्न स्थानों पर मौसम संबंधी अलग-अलग घटनाएं सामने आईं। सुबह आए तूफान के कारण जिले के सुंदरनगर क्षेत्र में पेड़ उखड़कर गिर गए, जिससे स्कूली बच्चों और कार्यालय जाने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। मंडी और शिमला में आसमान में घने बादल छाए रहे। स्थानीय मौसम कार्यालय ने कहा कि कांगड़ा, पालमपुर, जोत, भुंतर, कल्पा, मंडी और सुंदरनगर में भी बादलों की गरज के साथ बारिश हुई। लाहौल एवं स्पीति जिले के उदयपुर उप मंडल में अचानक आई बाढ़ के कारण संसारी-किलाड़-टिंडी-थिरोट मार्ग अवरुद्ध हो गया है।

चुनावी रंजिश में सरपंच सहित परिवार पर हमला, छह घायल

रीवा (एजेंसी)। मऊगंज जिले के हनुमना थाना क्षेत्र की नाउनकला पंचायत में चुनावी रंजिश को

लेकर सरपंच और उनके परिवार पर जानलेवा हमले का मामला सामने आया है। वारदात बीती रात करीब साढ़े 11 बजे हुई। इस हमले में सरपंच प्रभुनाथ साकेत सहित 6 लोग घायल हुए हैं। पीड़ित सरपंच के मुताबिक सरपंच चुनाव में उनके प्रतिद्वंद्वी रहे जयलाल साकेत ने चुनाव हारने के वजह से यह हमला किया। जयलाल अपने करीब आधा दर्जन साथियों के साथ रात में घर आया और धारदार हथियार व लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस वारदात में सरपंच के पुत्र रमेश कुमार साकेत, गणेश साकेत, इंद्र साकेत, बहू शकुंतला साकेत और नातिन कुसुम साकेत घायल हुए हैं। सभी घायलों को संजय गांधी अस्पताल रीवा में भर्ती कराया गया है। पीड़ित ने बताया कि आरोपियों ने हमले के दौरान सरकारी दस्तावेजों को भी नुकसान पहुंचाया। कुछ दस्तावेज अपने साथ ले गए। मामले की शिकायत थाने में दर्ज करा दी गई है। पीड़ित के मुताबिक इससे पहले भी उन्होंने थाने में शिकायत की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

खाई में गिरी बाइक, एक युवक की मौत, दूसरा गंभीर रूप से घायल

ग्रामीणों ने जताई हत्या की आशंका; रीवा-सेमरिया मार्ग पर तीन घंटे चक्काजाम

रीवा (एजेंसी)। रीवा के बंकुइया इलाके में सोमवार को एक बाइक सड़क किनारे खाई में गिर गई। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने इसे हादसा नहीं बल्कि ठोकर से हुई दुर्घटना बताया और हत्या की आशंका जताई। आक्रोशित ग्रामीणों ने सेमरिया मार्ग पर चक्काजाम कर मामले की जांच मांग की।

मृतक की पहचान संजय बुनकर निवासी सतना के रूप में हुई है, जबकि घायल युवक राजकिशोर का इलाज संजय गांधी अस्पताल में चल रहा है। मृतक के परिजन इंद्रपाल कोरी ने बताया कि दोनों युवक दोस्त की शादी में शामिल होकर लौट रहे थे। दादर मोड़ के पास बंकुइया में हादसा हो गया।

ग्रामीणों ने आशंका जताई कि बाइक तेज रफ्तार से नहीं चल रही थी, बल्कि किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक खाई में जा गिरी। स्थानीय निवासी शिव प्रसाद पांडेय ने आरोप लगाया कि डायल 100 की पुलिस ने घायल को तो अस्पताल पहुंचाया, लेकिन मृतक को वहीं छोड़ दिया। अगर उसे समय पर अस्पताल ले जाया जाता, तो शायद उसकी जान बचाई जा सकती थी।

घटना के बाद मौके पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी देर तक नहीं पहुंचे, जिससे नाराज ग्रामीणों ने रीवा-

सेमरिया मार्ग को जाम कर दिया। ग्रामीणों ने हादसे को हत्या बताकर खुलासे की मांग की। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने समझाइश देकर रास्ता खुलवाया, जिसके बाद यातायात बहाल हो पाया। इस दौरान 2.30 से 5.30 बजे तक जाम लगा रहा।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक लाल ने बताया कि ग्रामीणों की शंका को गंभीरता से लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है और जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

दुष्कर्म का आरोपी हथकड़ी सहित फरार

रीवा में 14 घंटे बाद पकड़ाया; लापरवाही पर एसपी ने दिए जांच के आदेश

रीवा (एजेंसी)। रीवा जिले के मनगवां थाना क्षेत्र में दुष्कर्म जैसे संगीन अपराध का आरोपी पुलिस की अभिरक्षा से हथकड़ी समेत फरार हो गया। घटना के बाद आला अधिकारियों ने मनगंवा पुलिस को फटकार लगाते हुए जल्द से जल्द आरोपी की गिरफ्तारी का अल्टीमेटम जारी किया। करीब 14 घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस आरोपी को फिर से पकड़ने में सफल रही। इस गंभीर लापरवाही पर एसपी विवेक सिंह ने जांच के आदेश दिए हैं।

पुलिस ने शनिवार को एक नाबालिग लड़की के साथ शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के आरोप में शिवम कुशवाहा को गिरफ्तार किया था। आरोपी को मनगवां थाने में रखा गया था, लेकिन रविवार को वह पुलिस की अभिरक्षा से छत फांदकर हथकड़ी सहित फरार हो गया। आरोपी की फरारी की जानकारी मिलते ही पुलिस महकमे में अफरा-तफरी मच गई।

घटना की सूचना मिलते ही जिले के वरिष्ठ अधिकारियों ने मनगवां पुलिस की जमकर क्लास लगाई। थाना प्रभारी से लेकर

सिपाहियों तक को अल्टीमेटम दिया गया कि यदि आरोपी जल्द हिरासत में नहीं लिया गया तो सभी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस चेतावनी के बाद थाना स्टाफ नौकरी बचाने की जद्दोजहद में आरोपी की तलाश में जुट गया। लगातार सर्चिंग, पूछताछ और निगरानी के बाद पुलिस ने आरोपी शिवम कुशवाहा को 14 घंटे बाद फिर से हिरासत में ले लिया। उसे पहले ही एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार किया गया था। इस मामले में पीड़िता ने शनिवार को थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी।पूरा घटनाक्रम सामने आने के बाद रीवा के पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह ने मामले की जांच एसडीओपी को सौंपी है। उन्होंने कहा कि प्राथमिक तौर पर पुलिस की लापरवाही सामने आई है, और इस पूरे प्रकरण में जो भी जिम्मेदार कर्मचारी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

रीवा में केंद्रीय विश्वविद्यालय और एनआईटी की मांग

भाजपा नेता गौरव तिवारी ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से की मुलाकात

नई दिल्ली/रीवा (एजेंसी)। भाजपा नेता गौरव तिवारी ने नई दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात करते हुए पत्र सौंप कर अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा को केंद्रीय विश्वविद्यालय और रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में अपग्रेड करने की मांग की है। उन्होंने पत्र में विंध्य क्षेत्र के शैक्षणिक विकास और छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए यह अनुरोध किया है।

गौरव तिवारी ने पत्र में लिखा कि रीवा, जो अतीत में विंध्य प्रदेश की राजधानी रहा है, उत्तर प्रदेश का प्रवेश द्वार है और यहां उत्तर प्रदेश और बिहार से बड़ी संख्या में छात्र शिक्षा ग्रहण करने आते हैं। एपीएसयू विंध्य क्षेत्र में उच्च शिक्षा का प्रमुख केंद्र है, जो 65 से अधिक संबद्ध कॉलेजों के माध्यम से हजारों छात्रों को विभिन्न पाठ्यक्रमों में शिक्षा

प्रदान करता है। हालांकि, केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा मिलने से इस क्षेत्र के छात्रों को और बेहतर शिक्षा के अवसर मिलेंगे।

उन्होंने रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज को एनआईटी में अपग्रेड करने की भी आवश्यकता बताई। गौरव तिवारी ने कहा कि आरईसी दशकों से तकनीकी शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है, लेकिन एनआईटी का दर्जा न मिलने से छात्रों को उच्च स्तरीय शोध और अवसरों से वंचित रहना पड़ रहा है। एनआईटी बनने से कॉलेज में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और शोध के अवसर मिलेंगे। उन्होंने शिक्षा मंत्री से इस दिशा में आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध किया है, जिससे रीवा और विंध्य क्षेत्र के छात्रों और शिक्षकों को लाभ होगा और पूरे मध्य प्रदेश और देश के विकास में योगदान मिलेगा।

हादसे में रीवा कलेक्टर बंगले में तैनात नगर सैनिक के बेटे का हाथ धड़ से अलग हुआ

रीवा (एजेंसी)। रीवा शहर के बिछिया थाना क्षेत्र स्थित ग्राम लक्ष्मणपुर के समीप एक बेहद दर्दनाक हादसा हुआ। जहां तेज़ रफ्तार बस की टक्कर से बाइक सवार युवक का हाथ धड़ से अलग हो गया। घायल को परिजन संजय गांधी अस्पताल लेकर पहुंचे, वहीं कुछ ही देर बाद उसका कटा हुआ हाथ स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया। घायल युवक कलेक्टर बंगले में तैनात नगर सैनिक का पुत्र बताया जा रहा है। जिसे बेहतर उपचार के लिए कलेक्टर ने एंबुलेंस की व्यवस्था कराने के बाद उसे जबलपुर रेफर करा दिया।

पीड़ित के पिता नगर सैनिक समयलाल साकेत ने बताया कि उनका बेटा नीरज साकेत गांव की ओर जा रहा था, तभी लक्ष्मणपुर स्थित पुलिया के समीप एक बस के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बेटे का दाहिना हाथ धड़ से अलग हो गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद चालक बस छोड़कर फरार हो गया।

महिला स्वसहायता समूहों को भ्रमण किट 23 मई तक आवश्यक रूप से वितरित हो

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में केन्द्र सरकार के एक पेड़ माँ के नाम से प्रेरित होकर अमृत मित्र योजना के अंतर्गत वूमन फॉर ट्री पौध-रोपण अभियान का संचालन किया जा रहा है। यह अभियान प्रदेश में 5 जून से 31 अगस्त तक चलाया जायेगा। इस संबंध में नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय ने विस्तृत दिशा निर्देश नगरीय निकायों को जारी किये है। यह अभियान अमृत ??2.0 योजना एवं डे-एनयूएलएम के कन्वर्जेंस से संचालित किया जा रहा है।नगरीय निकायों को पौध रोपण का स्थल चयन कर अमृत 2.0 के पोर्टल पर अपलोड करने को कहा गया है। नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने नगरीय निकायों से कहा है कि स्व सहायता समूह की महिलाओं को 21 मई से 23 मई तक पौध रोपण के स्थान का भ्रमण किट आवश्यक रूप से वितरित कराया जाना सुनिश्चित किया जाये। इसके बाद प्रदेश में 5 जून से 31 अगस्त तक सफलता पूर्वक पौध रोपण किया जायेगा। अभियान को सफल बनाने के लिये नगरीय निकायों को महिलाओं की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिये भी कहा गया है। यह अभियान नारी सशक्तिकरण एवं हरित भारत के निर्माण की दिशा में एक अनूठा प्रयास है। इस अभियान को सामाजिक सहभागिता और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के साथ पूरा किया जायेगा। देशभर में यह अभियान केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय की मदद से संचालित किया जा रहा है।

प्रदेश की नगरीय निकाय प्रणाली में पारदर्शिता लाने के लिये शहरी सुधार कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के नगरीय निकाय प्रणाली में सुधार कर पारदर्शिता लाने और कार्यक्षमा में वृद्धि करने के लिये नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने शहरी सुधार कार्यक्रम योजना लागू की है। नगरीय निकायों की लेख प्रणाली के संभूति आधारित द्विप्रविष्टीय लेखा प्रणाली में परिवर्तन करने के लिये कार्य किया गया है। प्रदेश की 369 निकायों में यह कार्य पूर्ण किया जा चुका है। नवगठित 44 निकायों में निविदाएं आमंत्रित करने की कार्रवाई तेजी से की जा रही है। प्रदेश के नगरीय निकायों में जी.आई.एस. आधारित मानचित्र तैयार कर संपत्तिकर के दायरे और वसूली में वृद्धि किये जाने के प्रयास किये जा रहे हैं। जीआईएस आधारित बहुउद्देशीय पारिवारिक सर्वेक्षण कार्य के अंतर्गत प्रदेश की सभी 413 नगरीय निकायों का आधार मानचित्र कार्य पूरा कर लिया गया है। इसी के साथ 294 नगरीय निकायों जिनमें नगर निगम मुरैना को शामिल करते हुये संपत्ति सर्वेक्षण का कार्य पूरा किया जा चुका है। प्रदेश की 119 नगरीय निकायों में कार्य प्रगति पर है। राज्य के 15 नगर निगमों में से 9 नगर निगमों में संपत्ति सर्वेक्षण का कार्य पूरा किया जा चुका है। अब शेष रह गये 6 नगर निगमों में सर्वेक्षण का काम तेजी से किया जा रहा है। राज्य शासन द्वारा प्रदेश के नगरीय निकायों को राजस्व संग्रहण के लिये प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रोत्साहन पुरस्कार राशि प्रदान की जा रही है। नगरीय निकायों में राजस्व संग्रहण को बढ़ाने के लिये लगातार समीक्षा करने के भी निर्देश दिये गये हैं। जिन नगरीय निकायों में राजस्व संग्रहण में वृद्धि हुई है, उन्हें अनुदान राशि विभाग द्वारा शीघ्र जारी की जा रही है।

ट्रेन के टॉयलेट में आधे घंटे बंद रही महिला

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ट्रेन में यात्रा के दौरान हुई असुविधा के लिए यात्री की शिकायत की अनदेखी रेलवे को भारी पड़ गई। इस पर भोपाल के जिला उपभोक्ता आयोग ने रेलवे को आदेश दिया है कि वह सेवा में कमी के लिए उपभोक्ता को 40 हजार रुपये का हर्जाना अदा करे। उपभोक्ता ने आयोग में परिवाद कर शिकायत की थी कि यात्रा के दौरान ट्रेन के दरवाजों में तकनीकी खराबी की वजह से उसकी पत्नी करीब आधे घंटे तक टॉयलेट में बंद रह गई थीं। राजधानी के रविदास नगर के उमेश पांडेय ने जिला उपभोक्ता आयोग में भारतीय रेल प्रबंधक के खिलाफ परिवाद दायर किया था। उनका कहना था कि 20 अप्रैल 2022 को वह त्रिकुल एक्सप्रेस से थर्ड एसी में कन्याकुमारी से भोपाल के लिए परिवार के साथ रवाना हुए थे।

विश्वविद्यालय बनें सामाजिक न्याय और अधिकारिता का प्रतीक : राज्यपाल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि विश्वविद्यालय बाबा साहब के सामाजिक न्याय और अधिकारिता की विरासत का प्रतीक बनें। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियाँ बाबा साहब के विचारों और जीवनी से प्रेरित हो। परिसर सामाजिक समरसता का जीवंत आदर्श प्रस्तुत करें। राज्यपाल श्री पटेल राजभवन में डॉ. बी. आर. अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय महू की शासी निकाय की पाँचवीं बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री के.सी. गुप्ता, अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री अनुपम राजन, विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. रामदास गोमाजी आत्रम उपस्थित थे।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालय का लक्ष्य छात्र-छात्राओं को केवल उपाधि प्रदान करना नहीं है। विश्वविद्यालय का उद्देश्य भारत रत्न बाबा साहब अम्बेडकर के जीवन मूल्यों, उनके सामाजिक न्याय और समानता के संघर्ष और वंचितों के उत्थान के कार्यों के प्रति भावी पीढ़ी की अभिरुचि को बढ़ाना है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालय वित्तीय संसाधनों के लिए सरकार पर आश्रित नहीं रहें। वित्तीय स्वावलंबन के लिए प्रयास किए जाए। विश्वविद्यालय विकास योजनाओं को सरकार के साथ समन्वय कर क्रियान्वित करें।

विश्वविद्यालय कार्य परिषद द्वारा कुलगुरु चयन समिति में कार्य परिषद द्वारा निर्वाचित सदस्य के प्रावधान को संशोधित कर, राज्य सरकार द्वारा नामित सदस्य के निर्णय का शासी निकाय की बैठक में सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। इसी तरह कार्य परिषद के विश्वविद्यालय के कुलपति और प्रति कुलपति के पदनाम को कुलगरु एवं प्रति कुलगुरु किये जाने के निर्णय का भी बैठक में अनुमोदन किया गया।

पाँचवीं शासी निकाय की बैठक में प्रमुख सचिव जनजाति कार्य श्री गुलशन बामरा, प्रमुख सचिव विधि विधायी कार्य श्री एन. पी. सिंह, प्रमुख सचिव अनुसूचित जाति कल्याण श्री ई. रमेश कुमार, अपर सचिव राजभवन श्री उमाशंकर भार्गव, शासी निकाय के सदस्य, निदेशक, सामाजिक विज्ञान, शोध एवं प्रशिक्षण श्री दीपक कुमार वर्मा, संकाय अध्यक्ष सुश्री मनीषा सक्सेना, शासी निकाय के सचिव श्री कौशलेन्द्र वर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

नवाचार से गतिमान हुआ सहकारी आंदोलन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व और सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग के कुशल मार्गदर्शन में सहकारिता विभाग में नित नये नवाचार किये जा रहे हैं और नवाचार से गति पकड़ता जा रहा है मध्यप्रदेश सहकारी आंदोलन गतिमान हुआ है। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने भोपाल के राज्य स्तरीय सहकारी सम्मेलन में बताया कि राज्यों में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) के कम्प्यूटराइजेशन के कार्य में मध्यप्रदेश देश में प्रथम रहा। उन्होंने शत-प्रतिशत उपलब्धि के लिये प्रदेश की सराहना की।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के लिये लगभग हर माह सहकारिता संबंधी आयोजन करने का संकल्प लेकर काम किया जा रहा है। इसमें अधिकारियों-कर्मचारियों के आचरण और व्यवहार की ऑनलाइन ट्रेनिंग करवायी जा रही है। नवाचार और अच्छा कार्य करने वालों को साल के अंत में उत्कृष्ट कर्मी के रूप में सम्मानित भी किया जायेगा। सहकारी आंदोलन को मजबूत करने के लिये मध्यप्रदेश की हर पंचायत पर पैक्स स्थापित किये जायेंगे। सहकारिता के महत्व के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के लिये विभाग के तहत सभी स्तर के विभागीय कार्यालय, सहकारी संस्थाओं में स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता'' अभियान के तहत स्वच्छता दिवस कार्यक्रम मनाया गया।

नई दिल्ली के इण्डिया हेबिटेड सेंटर में आयोजित 100वें राष्ट्रीय स्कॉच समिट में मध्यप्रदेश के सहकारिता विभाग के राज्य सहकारी विपणन संघ (मार्कफेड) को उनके फर्टिलाइजर सप्लाई चैन ऑटोमेशन प्रोजेक्ट आईएफएसएस को प्रतिष्ठित स्कॉच अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में को-ऑपरेटिव पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (सीपीपीपी) के तहत सहकारिता क्षेत्र में कुल 2305 करोड़ राशि में 19 एमओयू हुए। यह एक क्रांतिकारी पहल है, जब नये सीपीपीपी मॉडल के तहत इतने एमओयू सहकारिता क्षेत्र में हुए।

विभाग की गतिविधियों पर निरन्तर ध्यान दिया जा रहा है। सहकारिता विभाग में 25 कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकम्पा नियुक्ति दी गयी। अब विभाग में अनुकम्पा नियुक्ति का एक भी प्रकरण लंबित नहीं है। इसी प्रकार अपेक्स बैंक एवं जिला सहकारी बैंकों में आईबीपीएस से भर्ती प्रक्रिया की जा रही है। अपेक्स बैंक में 47 अधिकारियों की भर्ती प्रक्रिया पूर्ण हुई है और 197 की भर्ती प्रक्रियाधीन है। जिला सहकारी बैंकों में 1099 समिति प्रबंधक और 1568 बैंकिंग सहायक की भर्ती प्रक्रिया पूर्ण की गयी है और 2675 पदों पर भर्ती की अनुमति प्राप्त कर ली गयी है।

पत्रकारों का तीर्थस्थल है माधवराव सप्रे समाचार पत्र संग्रहालय : मंत्री विजयवर्गीय

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि किसी शहर के संग्रहालय और शिक्षण संस्थान धरोहर के समान हैं इनका समृद्ध होना समाज के गौरव को बढ़ाता है। उन्होंने माधवराव सप्रे स्मृति समाचार पत्र संग्रहालय के गौरवशाली इतिहास की प्रशंसा की। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि आधुनिक युग में नौजवान पीढ़ी के लिये डिजिटल लाइब्रेरी की सुविधा बहुत उपयोगी रहेगी। मंत्री श्री विजयवर्गीय रविवार को भोपाल में अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के मौके पर डिजिटल लाइब्रेरी के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह में संग्रहालय की स्थापना से लेकर अब तक के सफर में सहयोग करने वाली संस्थाओं और हस्तियों का सम्मान किया गया।मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। उनके इस संकल्प को शैक्षणिक संस्थानों को समृद्ध करके पूरा किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सप्रे संग्रहालय की शुरूआत एक छोटे स्वरूप में हुई थी। लगभग पिछले 4 दशकों में इस संस्थान ने अपनी पहचान राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित कर ली है। पूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री सुरेश पचौरी ने अपने उदबोधन में कहा कि श्री विजयदत्त श्रीधर ने अपनी लगन से भोपाल शहर को एक अमूल्य धरोहर दी है, जिसका लाभ लोकतंत्र के चौथे स्तंभ कहे जाने वाले पत्रकारों को निरंतर मिलता रहेगा। पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री पचौरी ने भारतीय स्टेट बैंक के सीएसआर फंड से दी जाने वाली मदद को सराहनीय बताया।संस्थान के संस्थापक सदस्य श्री विजयदत्त श्रीधर ने बताया कि माधवराव सप्रे स्मृति समाचार पत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान पुस्तकालय सेवा के 3 प्रारूप में कार्यरत है। पत्रकार एवं पाठक वर्ष 1984 से इसका लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय स्टेट बैंक की सामाजिक सेवा बैंकिंग के अंतर्गत सीएसआर मद से उपलब्ध धन राशि से सप्रे संग्रहालय के 20 लाख दुर्लभ दस्तावेजों और पुराने जर्जर पृष्ठों का डिजिटलीकरण हुआ है। संग्रहालय की संदर्भ सामग्री का फायदा लेकर 1240 शोधार्थियों ने विभिन्न विश्वविद्यालयों से पीएचडी एवं डी.लिट्. की उपाधियां अर्जित की हैं। संग्रहालय में बिजली की बचत के लिये 10 किलोवाट क्षमता क सौर ऊर्जा पैनल भी लगाये गये है।

बकाया बिजली बिल भुगतान नहीं करने पर गुना जिले के सुरेंद्र कपूर पर हुई शस्त्र लायसेंस निलंबन की कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के अंतर्गत आने वाले 16 जिलों में बिजली बिल जमा नहीं करने वाले उपभोक्ताओं के खिलाफ जिला मजिस्ट्रेट द्वारा शस्त्र लायसेंस निलंबन की कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में जिला मजिस्ट्रेट गुना श्री किशोर कुमार कन्याल द्वारा शस्त्र लाइसेंस निलंबन का नोटिस देने के बाद भी बिजली का बकाया बिल जमा नहीं करने वाले श्री सुरेंद्र कपूर निवासी कालापाठा कैंट जिला गुना का शस्त्र लायसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर शस्त्र संबंधित थाने में जमा करने के आदेश दिए गए हैं। श्री सुरेंद्र कपूर के ऊपर बिजली कंपनी की लगभग 8 लाख से अधिक बिल बकाया है जिसे नोटिस देने के बाद भी जमा नहीं कराया गया है। उल्लेखनीय है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी कार्यक्षेत्र के जिलों में जिला मजिस्ट्रेट द्वारा आर्म्स डीलर लाईसेंस एवं शस्त्र लाईसेंस की स्वीकृति एवं नवीनीकरण के लिए बिजली कंपनी से नोड्यूज प्राप्त किया जाना अनिवार्य किया गया है। कंपनी द्वारा गृह विभाग, म.प्र.शासन के आदेश के अनुसार कंपनी कार्यक्षेत्र के ऐसे शस्त्रधारी बिजली उपभोक्ता जिनके द्वारा बकाया विद्युत बिलों का समय पर भुगतान नहीं किया जा रहा है, साथ ही ऐसे शस्त्रधारी बिजली उपभोक्ता जो अनधिकृत बिजली का उपयोग अथवा बिजली चोरी करते पाए जाएंगे उनके आर्म्स डीलर लाईसेंस और शस्त्र लाईसेंस को जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से निलंबित कराने की कार्यवाही की जा रही है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि जो भी शस्त्र लाईसेंसधारी उपभोक्ता अपनी बकाया बिल राशि जमा नहीं करते हैं तो उनके शस्त्र लाईसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित करवाने की कार्यवाही की जाएगी।

एम्स के पीछे जलाई पराली, बिल्डिंग में धुआं भरा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल में पराली जलाने की टाइम लिमिट खत्म होते ही खेत आग से धधक रहे हैं। रविवार रात एम्स के पीछे कई एकड़ खेत में पराली जलाई गई। इससे एम्स की बिल्डिंग और स्कूल की बिल्डिंग में धुआं भर गया। वहीं, आसपास रहने वाले कई कॉलोनी के लोग दहशत में आ गए। देर रात आग बुझ सकी। बाग मुगालिया, करोंद, बैरसिया रोड, रायसेन रोड पर भी ऐसी तस्वीरें दिखना आम बात है। सख्त कार्रवाई नहीं होने से यह स्थिति बनी है। दरअसल, तत्कालीन एडीएम सिद्धार्थ जैन ने जिले में पराली जलाने पर 5 मई तक रोक लगाई थी। इस दौरान तो सभी एसडीएम अलर्ट रहें। हुजूर, बैरसिया और कोलार एसडीएम ने 50 से ज्यादा किसानों पर ढाई लाख से ज्यादा का जुर्माना भी किया। कार्रवाई से पराली के मामले कम हुए, लेकिन इसके बाद प्रशासन की मुस्तैदी की पोल खुल रही है। बिना रोक-टोक के अब किसान खेतों में आग लगा रहे हैं। बता दें कि भोपाल जिले में 3 महीने के लिए पराली जलाने पर रोक लगाई गई थी। तत्कालीन एडीएम जैन ने आदेश जारी किए थे। यह रोक 5 मई तक थी। ह्लञ्ज (नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल) के आदेश का पालन करते हुए यह रोक लगी थी। इसके बाद नया आदेश नहीं आया और किसान अब बेखौफ होकर पराली जला रहे हैं।

हरदा दक्षिण संभाग उपकेंद्र ऑपरेटर के साथ मारपीट करने वाले आरोपी के खिलाफ एफ आई आर दर्ज

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा हरदा वृत्त के पोखरनी वितरण केन्द्र अंतर्गत शासकीय कार्य मैं बाधा डालने एवं ऑपरेटर से मारपीट करने वाले आरोपित के विरूद्ध एफ.आई.आर दर्ज कराई गई है। सहायक प्रबंधक टिमरनी मोनिका सिंह ठाकुर ने बताया कि उपेंद्र पोखरनी ऑपरेटर प्रकाश ग्वहारिया पिता मोहन लाल ग्वाहरिया के साथ कुलदीप रायखेरे ने गलौच कर जान से मारने की धमकी देते हुए शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाई। इसके खिलाफ थाना टिमरनी में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

आरोपित श्री कुलदीप रायखेरे ने मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के पोखरनी वितरण केन्द्र सब स्टेशन में आपरेटर के पद पर पदस्थ आउटसोर्स कर्मचारी श्री प्रकाश गुहारिया से जबरदस्ती सब स्टेशन के गेट का ताला खुलवाकर मारपीट की तथा विद्युत उपकरणों को क्षति पहुंचाने की कोशिश की। रात में बिजली चली जाने की बात कहते हुए आरोपित द्वारा मारपीट की गई और कंट्रोल पैनल में लाइट मारकर रिले तोड़ दिया गया।

जिससे पूरे क्षेत्र की लाइट चली गई। इसके बाद ऑपरेटर प्रकाश गुहारिया ने उक्त घटना के संबंध में थाना टिमरनी पहुंचकर एफआईआर दर्ज कराई गई है। बिजली कंपनी के मैदानी कर्मचारियों और अधिकारियों को ड्यूटी के दौरान असामाजिक तत्वों द्वारा मारपीट / दुर्व्यवहार की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने तुरन्त एफ.आई. आर. कराने के निर्देश दिए हैं। कंपनी ने कहा है कि प्राय: देखने में आ रहा है कि बिजली कर्मियों पर ड्यूटी के दौरान असामाजिक तत्वों द्वारा मारपीट / दुर्व्यवहार किया जा रहा है। चूंकि ऐसी घटनाएं विद्युत अधिकारियों और कर्मचारियों का मनोबल गिराती हैं, इसलिए कंपनी के कार्यक्षेत्र में कार्यरत सभी नियंत्रणकर्ता अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि मैदानी अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार या मारपीट की घटनाओं को पूरी गंभीरता से लिया जाए।

जल गंगा संवर्धन जैसे अभियान ही कर सकते हैं जल संकट की वैश्विक चिंता का समाधान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल गंगा संवर्धन अभियान पर्यावरण और जल संरक्षण, जल संरचनाओं के पुनरुत्थान और सांस्कृतिक चेतना का समवेत संगम बन गया है। मध्यप्रदेश सरकार ने इस अभियान' से जल संकट के समाधान के लिये गंभीर पहल की है। जल संकट देश-प्रदेश ही नहीं पूरी दुनिया की चिंता का विषय है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए तो यह जीवन-मृत्यु का विषय है। भविष्य की चिंताओं का समाधान आज के अभियान में जल संवर्धन के प्रयासों में निहित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रारंभ किया गया जल गंगा संवर्धन अभियान एक बहुस्तरीय

आयोजन है। इसका उद्देश्य राज्य के जल स्त्रोतों जैसे नदियों, तालाबों, झीलों, बावड़ियों, पुराने कुओं और जलधाराओं को पुनर्जीवित करना और उन्हें सतत रूप से संरक्षित करना है। यह अभियान सरकारी योजना से आगे बढ़कर अब जन आंदोलन का स्वरूप ले चुका है।

उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने जल गंगा संवर्धन अभियान में जबलपुर जिले में जल स्त्रोतों के संरक्षण के लिये संचालित की जा रही गतिविधियों का निरीक्षण किया। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने जनपद पंचायत कुंडेश्वर धाम के गुरैया गांव में बने खेत तालाब, कूप रिचार्ज निर्माण और बघराजी गांव में में लैगून पद्धति से जोगी तालाब के विस्तार एवं सुदृढीकरण के कार्य का निरीक्षण किया। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने बघराजी में जन समुदाय को संबोधित करते हुए जल संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में तत्परता से कार्य करने के लिए प्रशासन की सराहना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में जल गंगा संवर्धन अभियान प्रदेश भर में ताल, तलैया, कुएं एवं बावड़ी सहित विभिन्न जल स्त्रोतों को संरक्षित करने के साथ ही प्राचीन जलस्त्रोतों को सूचीबद्ध कर उन्हें पुनर्जीवित किये जाने का पुनीत कार्य हो रहा है।

गेहूं उपार्जन में इस वर्ष 60 प्रतिशत से अधिक वृद्धि सरकार की प्रतिबद्धता का परिणाम-खाद्य मंत्री राजपूत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में इस वर्ष गेहूं उपार्जन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। प्रदेश अब पूरे देश में गेहूं उपार्जन में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। यह जानकारी खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने प्रभार के जिले गुना में जिला अधिकारियों की समीक्षा बैठक के दौरान दी। मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि इस वर्ष गेहूं उपार्जन में 60 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में एक बड़ी छलांग है। उन्होंने इसे किसानों के प्रति राज्य सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता और सुनियोजित नीति का परिणाम बताया। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि हमारे प्रयासों का मुख्य उद्देश्य किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाना और उपार्जन प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सुविधाजनक बनाना है। उन्होंने 60 प्रतिशत से अधिक गेहूं उपार्जन पर उपार्जन से जुड़े विभाग के सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का आभार जताया। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गौरतलब है कि राज्य सरकार की सक्रिय भूमिका, समय पर समर्थन मूल्य की घोषणा तथा सुचारू परिवहन और भंडारण व्यवस्था ने इस उपलब्धि में अहम भूमिका निभाई है।बैठक में बताया गया कि मोबाइल कोर्ट के माध्यम से जमीनी विवाद, अतिक्रमण और सीमांकन जैसे पुराने लंबित प्रकरणों के त्वरित निपटारे किए जा रहे हैं। इस दौरान दोनों पक्षों की सहमति से मौके पर ही समाधान किया जा रहा है, जिससे जनता को न्याय सुलभ हो रहा है। मंत्री श्री राजपूत ने जल-गंगा संवर्धन अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों को सम्मानित किया। डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी सीएमओ सुश्री मंजूषा खत्री, एसडीओ पीएचई टीएल मेहरा एवं उपयंत्री जनपद पंचायत आरोन चंदन शुक्ला को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

राजधानी के प्रोजेक्ट में बनेगी फोर लेन अप्रोच रोड

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मप्र सरकार टेक्सटाइल सेक्टर में निवेश बढ़ाने की कोशिशों में जुटी है। भोपाल के सतगढ़ी में रेडीमेड गारमेंट पार्क और इंदौर के परदेशीपुरा में प्लग-एन-प्ले गारमेंट काम्पलेक्स तैयार किए जा रहे हैं। भोपाल के प्रोजेक्ट में कोलकाता और दक्षिण भारत के मैन्युफैक्चरर्स निवेश को तैयार हैं। कोलार रोड के सतगढ़ी में 61 हेक्टेयर में एमपीआईडीसी ने काम्पलेक्स का प्रस्ताव बनाया है। पार्क से मेन रोड तक 2.2 किमी की 4 लेन एप्रोच रोड 20 करोड़ की लागत से बनेगी। एनएच-46 और एयरपोर्ट की नजदीकी के चलते निवेशकों की रुचि बढ़ी है। 27 मई को सीएम लुधियाना में टेक्सटाइल कंपनियों से निवेश पर चर्चा करेंगे।

इंदौर के परदेशीपुरा में रेडीमेड गारमेंट पार्क है। एमपीआईडीसी यहां अनुपयोगी हिस्से पर प्लग-एन-प्ले बहुमंजिला कॉम्प्लेक्स का निर्माण करेगा। गारमेंट मैन्युफैक्चरर्स से जुड़े जॉब वर्क करने वाले छोटी यूनिट्स को प्लाट दिए जाएंगे। 154 करोड़ से चार ब्लॉक बनेंगे कुल 184 यूनिट्स को जमीन मिलेगी। इन्हे 1500 से 3300 वर्गफीट के प्लाट दिए जाएंगे। सुविधाएं एमपीएसआईडीसी देगा।

नरवाई न जलाने तथा इससे जैविक खाद बनाने की सलाह

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कृषि विभाग द्वारा जिले के किसानों को गेंहू तथा अन्य फसलों को काटने के बाद बचे हुए अवशेष (नरवाई) नहीं जलाने की सलाह दी गई है। नरवाई जलाने से एक ओर जहां खेतों में अग्नि दुर्घटना की आशंका रहती है। वहीं मिट्टी की उर्वरकता पर भी विपरीत असर पाता है। इसके साथ ही धुएँ से कार्बन डायआक्साइड की मात्रा वातावरण में जाती है जिससे वायु प्रदूषण होता है। मिट्टी की उर्वरा शक्ति लगभग 6 इंच की ऊपरी सतह पर ही होती है। इसमें खेती के लिए लाभदायक मित्र जीवाणु उपस्थित रहते हैं।

नरवाई जलाने से यह नष्ट हो जाते हैं, जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति को नुकसान होता है। नरवाई जलाने की बजाए यदि फसल अवशेषों को एकत्रित करके जैविक खाद बनाने में उपयोग किये तो यह बहुत लाभदायक होगा। नाडेप तथा वर्मी विधि से नरवाई से जैविक खाद आसानी से बनाई जा सकती है। इस खाद में फसलों के लिए पर्याप्त पोषक तत्व रहते हैं।। इसके आलावा खेत में रोटावेटर अथवा डिस्क हैरो चलाकर भी फसल के बचे हुए भाग को मिट्टी में मिला देने से मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार होता है। गेंहू की फसल के बाद नरवाई को खाद में बदलने तथा बिना जुताई किए फसलों की बुआई के लिए सुपर सीडर तथा हैप्पी सीडर का उपयोग बहुत लाभकारी है साथ ही नरवाई से खाद भी बन जाएगी।

कलेक्टर ने ली समय-सीमा प्रकरणों की बैठक

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सोमवार को संपन्न समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने विभिन्न विभागों के समन्वय के मुद्दों पर चर्चा करते हुए कहा कि भू-अर्जन के प्रकरणों में भूमि और उस पर निर्मित परिसम्पत्तियों का अवार्ड एक साथ पारित किया जाना चाहिए। समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में वृक्षारोपण की तैयारी, जल गंगा संवर्धन अभियान, सीएम डैश बोर्ड के प्रकरण, स्थानांतरण के प्रस्ताव आदि के संबंध में समीक्षा की गई। इस मौके पर अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखडे, आयुक्त नगर निगम शेर सिंह मीना, सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, एसडीएम जीतेन्द्र वर्मा, एपी द्विवेदी, एलआर जांगडे, आरएन खरे, सुधीर बेक, अधीक्षण यंत्री विद्युत पीके मिश्रा सहित विभाग प्रमुख अधिकारी, जनपद के सीईओ तथा नगरीय निकायों के सीएमओ उपस्थित रहे।

समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में सर्वप्रथम कलेक्टर ने रेल्वे, बरगी नहर बाणसागर एवं अन्य विभागों के भूमि आवंटन, भू-अर्जन के प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि समन्वय से संबंधित सभी विभाग अपने मुद्दे अगली टीएल से पहले पोर्टल में फीड करें। कलेक्टर ने कहा कि एक-दूसरे विभाग से जुडे समन्वय के मुद्दे टीएल बैठक में रखे और उनका समाधान कराये।

भू-अर्जन के प्रकरणों में कलेक्टर ने कहा कि अर्जित की जानी वाली भूमि और उस पर निर्मित परि-सम्पत्तियों का मुआवजा अवार्ड अलग-अलग जारी करने की बजाय एक साथ सम्मिलित रूप से बनाये। जिले में भूमि और उस पर निर्मित सम्पत्ति का अलग-अलग अवार्ड पारित करने की परम्परा रही है। कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को शासन द्वारा संधारित मंदिरों की निर्धारित प्रारूप में जानकारी शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। इसी प्रकार सभी महाविद्यालयों द्वारा जनभागीदारी समिति से किये गये और किये जाने वाले कार्यों की जानकारी अभी तक नहीं प्रस्तुत करने पर कलेक्टर ने नोडल प्राचार्य शास. स्वशासी महाविद्यालय सतना को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये।

जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा में कलेक्टर ने अगले गुरूवार की प्रातः नगर निगम क्षेत्र में दो स्थानों पर कॉलेज के एनएसएस, एनसीसी, जन अभियान परिषद के सहयोग से नदी सफाई का अभियान चलाने के निर्देश दिये। उन्होंने सभी नगरीय निकायों को इस सप्ताह कम से कम श्रमदान और सफाई का एक बडा कार्यक्रम करने के निर्देश भी दिये।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्वयंसेवी संस्थाओं, जन अभियान परिषद एवं कॉलेज के स्वयं सेवी युवाओं के सहयोग से श्रमदान के कार्यक्रम सतत रूप से चलाने के निर्देश दिये गये। वृक्षारोपण की तैयारी की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि बरसात के समय पौधरोपण के लिए गड्डों की तैयारी, फेनसिंग और पौधों की उपलब्धता के कार्य शुरू करें। सभी विभाग अपनी-अपनी कार्य योजना के अनुसार पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित करें।

सतना जिले में 14.50 लाख पौधे वन विभाग और 5-5 लाख पौधे वृहद सीमेंट प्लांट द्वारा लगाये जाने का लक्ष्य निर्धारित है। इसके अलावा सीएसआर मद से प्राप्त पौधों में 50-50 हजार कृषि विभाग और उद्यानिकी किसानों को दिये जायेंगे। इसके लिए कलेक्टर ने किसानों की सूची सहित मांग पत्र जिला पंचायत में प्रेषित करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने ई-ऑफिस की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को ऑन बोर्ड होने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि 31 मई के बाद उन तक आने वाली कोई भी फाइल आफलाइन स्वीकार नहीं की जायेगी।

कलेक्टर ने जिला पर्यटन संवर्धन समिति का शीघ्र गठन कर बैठक बुलाने के निर्देश दिये। सीमांकन, नामांतरण, बंटवारा, अभिलेख दुरूस्ती के राजस्व कार्यो में सतना जिले का 19वां स्थान होने पर कलेक्टर ने राजस्व कार्यों में गति लाने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने सीएम डैश बोर्ड के आधार पर विभागीय गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने सीएम डैश बोर्ड में कार्य ठीक नहीं होने पर महाप्रबंधक प्रधानमंत्री ग्रामीण सडक को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये

महिला स्वसहायता समूहों की भ्रमण किट का 23 मई तक वितरण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रदेश में केन्द्र सरकार के "एक पेड़ माँ के नाम" से प्रेरित होकर अमृत मित्र योजना के अंतर्गत "वूमन फॉर ट्री" पौध-रोपण अभियान का संचालन किया जा रहा है। यह अभियान प्रदेश में 5 जून से 31 अगस्त तक चलाया जायेगा। इस संबंध में नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय ने विस्तृत दिशा निर्देश नगरीय निकायों को जारी किये है। यह अभियान अमृत 2.0 योजना एवं डे-एनयूएलएम के कन्वर्जेंस से संचालित किया जा रहा है।

नगरीय निकायों को पौध रोपण का स्थल चयन कर अमृत 2.0 के पोर्टल पर अपलोड करने को कहा गया है। नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने नगरीय निकायों से कहा है कि स्व सहायता समूह की महिलाओं को 21 मई से 23 मई तक पौध रोपण के स्थान का भ्रमण किट आवश्यक रूप से वितरित कराया जाना सुनिश्चित किया जाये। इसके बाद प्रदेश में 5 जून से 31 अगस्त तक सफलता पूर्वक पौध रोपण किया जायेगा। अभियान को सफल बनाने के लिये नगरीय निकायों को महिलाओं की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिये भी कहा गया है। यह अभियान नारी सशक्तिकरण एवं हरित भारत के निर्माण की दिशा में एक अनूठा प्रयास है। इस अभियान को सामाजिक सहभागिता और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के साथ पूरा किया जायेगा। देशभर में यह अभियान केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय की मदद से संचालित किया जा रहा है।

हत्या के आरोपी हुए दोषमुक्त

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। हत्या के आरोपियों को माननीय सातवें अपर सत्र न्यायाधीश महोदय द्वारा किया गया दोष मुक्त।

अभियोजन की कहानी के अनुसार वर्ष 2018 में रायपुर करचुलियां थाना अंतर्गत खुझ गांव में मृतक अवनीश सिंह की आरोपीगण लूली साकेत बेला साकेत राजबहोर साकेत एवं मुखिया साकेत के द्वारा लाठी डंडे से पीट पीट कर कुआं में गिरा देने से हत्या करने का आरोप था । आरोपियों के विरुद्ध थाना रायपुर करचुलियां द्वारा धारा 302/304,34 भ0द0वि0 का अपराध पंजीबद्ध कर माननीय न्यायालय के समक्ष चलन प्रस्तुत किया गया। सभी साक्षियों की साक्ष्यों के अवलोकन के पश्चात दिनांक 17/05/2025 को सातवें अपर सत्र न्यायाधीश श्री शरद कुमार गुप्ता द्वारा सभी आरोपियों को उक्त मामले में दोषमुक्त कर दिया गया तीन आरोपियों की तरफ प्रकरण की पैरवी विद्वान अधिवक्ता श्री श्यामजी श्रीवास्तव सहित अनुज कुमार त्रिपाठी एवं रितेश शुक्ला ने की थी एवं आरोपी मुखिया साकेत की पैरवी अधिवक्ता उदय राज सिंह ने की थी।

एडीआर सेंटर सीधी में साथी समिति की बैठक में हुआ विमर्श

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली (नालसा) द्वारा चलाए जा रहे साथी, आधार के लिए सर्वेक्षण, ट्रैकिंग और समग्र समावेश तक पहुंच अभियान के अनुक्रम में म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर (सालसा) के निर्देश पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी श्री प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री मुकेश कुमार शिवहरे की अध्यक्षता में गठित समिति में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अरविन्द श्रीवास्तव, सिविल सर्जन श्री एसबी खरे द्वारा प्राधिकृत डॉ आशीष भारती, जिला शिक्षा अधिकारी श्री पीके सिंह, जिला बाल संरक्षण अधिकारी एवं महिला बाल विकास अधिकारी सीधी श्री प्रवेश मिश्रा, जिला ई-गवर्नेंस मैनेजर श्री मनीष कुमार सिंह, श्री अनुराग पाण्डेय श्रीमती निशा मिश्रा सदस्य किशोर न्याय बोर्ड, श्री धर्मेन्द्र शुक्ला सदस्य किशोर न्याय बोर्ड, श्री शान्त शिरोमणि पयासी अध्यक्ष बाल कल्याण समिति सीधी, सचीन्द्र मिश्रा सदस्य बाल कल्याण समिति सीधी, श्रीमती रंजना मिश्रा सदस्य बाल कल्याण समिति सीधी, पैनल अधिवक्ता श्री रामशरण दुबे, अखिलेश द्विवेदी, राघवेन्द्र प्रसाद गुप्ता, पन्नालाल सोनी तथा पैरालीगल वालेंटियर्स में रानू मिश्रा,

पियूष मिश्रा कु. दीपिका सिंह शामिल थे।

प्राधिकरण के सचिव श्री मुकेश कुमार शिवहरे ने मौजूद अधिकारियों को साथी अभियान के संबंध में आधार कार्ड से वंचित बेसहारा बच्चों का सर्वेक्षण एवं पहचान कार्य 26 मई से 26 जून तक किए जाने के साथ ही आधार बनवाए जाने का कार्य 27 जून से 5 अगस्त तक किए जाने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही शासन की योजनाओं का लाभ प्रदान कर समाज की मुख्य धारा में लाने के प्रयास कर साथी अभियान का सफल बनाए जाने की अपील की गई है।

11000 केवी लाइन की चपेट में आने एक किसान सहित दो भैसों की मौत

ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर लापरवाही करने का लगाए आरोप

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के जवा तहसील अंतर्गत ग्राम चटेह में एक दर्दनाक हादसे में 59 वर्षीय किसान गोपीकृष्ण मिश्रा पिता सुखीनंद मिश्रा की दिनांक 19/05/25 को सुबह खरीबी 7 बजे मौत हो गई। जिसकी जानकारी लगते ही पूरे गांव में शोक की लहर छा गयी।बताया जाता है बीते दिनों आंधी तूफान से कई पेड़ सहित बिजली के पोल और लाइन टूट गए थे उसी क्रम में चटेह गांव के पास से गुजर रही 11,000 केवी वोल्ट की विद्युत लाइन जो टूट कर जमीन पर गिर गई थी।

किसान गोपी कृष्ण मिश्रा अपनी भैंसों को चराने ले जा रहे थे जो गिरे हुए तार की चपेट में आ गए जिसमे किसान सहित दो भैसों की मौत हो गयी। वही स्थानीय निवासियों का आरोप है कि विद्युत विभाग की लापरवाही से यह दुर्घटना हुई है। यदि समय रहते पावर सप्लाई बंद कर दिया गया होता तो ये हादसा नही होता। साथ ही उन्होंने बिजली विभाग पर लंबे समय से मरम्मत कार्य न कराने एवं मरम्मत कार्य के नाम पर भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाए है।

इस घटना में गोपी कृष्ण मिश्रा की मृत्यु के साथ-साथ उनकी भैंस उसकी (पड़िया) की भी मृत्यु हो गई जो उनके परिवार के आय का मुख्य साधन था परिवार का कहना है कि श्री मिश्रा खेती और डेयरी व्यवसाय कर अपना जीवन यापन करते थे अब उनके मृत्यु के बाद घर वालो को खाने पीने की समस्या हो जाएगी।

जिसके लिए मृतक के परिवार को 10 लाख का मुआवजा दिया जाए,दोषी अधिकारियों पर तत्काल कार्रवाई की जाए। भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए बिजली लाइनों की समय-समय पर जांच और मरम्मत सुनिश्चित की जाए।यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो शांतिपूर्ण धरना और विरोध प्रदर्शन करने पर मजबूर होंगे।

पांच दिवसीय मीडिएशन प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मान्नीय प्रधान जिला एवं सत्र/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रीवा श्री राकेश मोहन प्रधान के मार्गदर्शन एवं न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री समीर कुमार मिश्र के नेतृत्व में म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रीवा द्वारा न्यायिक अधिकारियों हेतु 40 घन्टे का 05 दिवसीय मीडिएशन प्रशिक्षण का इको पार्क रिसार्ट होटल में सोमवार को मान्नीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश महोदय राकेश मोहन प्रधान द्वारा शुभारंभ किया गया। उक्त मीडिएशन प्रषिक्षण कार्यक्रम में नई दिल्ली से प्रशिक्षित मीडिएशन मास्टर टेऊनर नीरज उपाध्याय एवं अनूप कुमार श्रीवास्तव सीनियर ट्रेनर्स एम.सी.पी.सी. उत्तरप्रदेश द्वारा न्यायाधीशगणो को दिनांक 19 से 23 मई तक 05 दिवसीय मीडिएशन प्रशिक्षण प्रदान किया जावेगा। मान्नीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश महोदय ने अपने मुख्य अतिथीय उद्ववोधन में कहा कि मीडिएशन के माध्यम से मामलो का निराकरण होने पर जहां एक ओर न्यायालय में मुकदमों की संख्या घटती है वही दूसरी ओर समाज में भविष्य में संघर्ष की संभावना समाप्त होती है। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रीवा समीर कुमार मिश्र द्वारा अपने उद्ववोधन में कहा गया कि मीडिएशन, प्रकरणों के आपसी सहमति से निराकरण और समाज में समरसता प्रसारित करने का कारगर माध्यम है। जिला रजिस्ट्रार पन्ना नागेश ने भी मीडिएशन के बारे मे अपने विचार व्यक्त किये। जिला विधिक सहायता अधिकारी अभय कुमार मिश्रा ने कार्यक्रम हेतु आभार सज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन अनीष पाण्डेय असिस्टेट लीगल एड डिफ्रेस काउसेल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में न्यायाधीषगण, लीगल एड डिफ्रेस काउसेल के चीफ सुरेन्द्र सिंह, डिप्टी चीफ मंजूर अहमद मसूरी, आनंद पाण्डेय, लीगल एड डिफेस के असिस्टेट आरती तिवारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के स्टांफ उपस्थित रहे।

मिशन कर्मयोगी अंतर्गत कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग की क्षमता इकाई का गठन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राज्य शासन द्वारा मिशन कर्मयोगी अंतर्गत कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग की क्षमता इकाई का गठन किया गया है। प्रमुख सचिव कुटीर एवं ग्रामोद्योग श्री अमित कुमार राठौर को अध्यक्ष एवं आयुक्त हाथकरघा एवं हस्तशिल्प तथा प्रबंध संचालक संत रविदास म.प्र. हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम श्री मदन कुमार नागरगोजे को सदस्य सचिव बनाया गया है।

श्री मालसिंह भयडिया प्रबंध संचालक म.प्र. खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी म.प्र. माटीकला बोर्ड, श्री मोहित बुंदस आयुक्त रेशम संचालनालय, श्री अरुण कुमार सिंह उप सचिव कुटीर एवं ग्रामोद्योग, श्री जी.एस. आर्य अवर सचिव कुटीर एवं ग्रामोद्योग को सदस्य बनाया गया है।

मिशन कर्मयोगी, एक सरकारी पहल है, जिसका उद्देश्य सिविल सेवकों को राष्ट्र की सेवा के लिए बेहतर तैयार करना है। यह सिविल सेवा में सुधार के लिए एक व्यापक योजना है। मिशन कर्मयोगी का उद्देश्य पारदर्शिता और प्रौद्योगिकी के माध्यम से सिविल सेवकों को एक आदर्श कर्मयोगी के रूप में विकसित करना है। मिशन कर्मयोगी, सार्वजनिक सेवा में सुधार के लिए एक व्यापक योजना है, जिसमें कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग भी शामिल है। यह मिशन ग्रामीण विकास के लिए आवश्यक सुधारों को लागू करने में मदद करता है।

मिशन कर्मयोगी के माध्यम से सिविल सेवकों को प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे वे कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के कार्यों को बेहतर ढंग से समझ सकें और उन्हें लागू कर सकें। मिशन कर्मयोगी, कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के कर्मचारियों की क्षमता विकसित करने और विभाग में सुधारों को लागू करने में मदद करता है, जिससे सार्वजनिक सेवा अधिक प्रभावी और कुशल हो सके।

कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग का प्राथमिक कार्य ग्रामीण क्षेत्रों में कुटीर और ग्रामोद्योगों का विकास करना है। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करने और आर्थिक विकास में योगदान करता है। ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने एवं स्थानीय उत्पादों के प्रचार में भी मदद करता है।

सामंजस्य एवं विभागीय सक्रियता की कमी से निर्माण कार्यों में विलंब अस्वीकार्य : उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र) उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने निर्देश दिए हैं कि निर्माण एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी निर्माण कार्यों की नियमित समीक्षा करें और अंतर्विभागीय समन्वय से संबंधित विषयों को तत्काल रेखांकित कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन स्थलों पर निर्माण एजेंसियों को भूमि उपलब्ध नहीं कराई गई है अथवा अन्य कोई प्रशासनिक विभागीय अवरोध या असमंजस की स्थिति है, उसकी स्थिति उच्च अधिकारियों को तुरंत अवगत कराई जाए, ताकि उनका प्राथमिकता से निराकरण कार्य को गति दी जा सके।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सामंजस्य एवं विभागीय सक्रि यता की कमी से कार्यों में विलंब पर अप्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों को समय से पूर्ण करना स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिये आवश्यक है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय भोपाल में परियोजना कार्यान्वयन

इकाई (पीआईयू) द्वारा किए जा रहे स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा अधोसंरचना विकास कार्यों की गहन समीक्षा की।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि किए गए कार्यों का समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाए। भुगतान में विलंब से कार्य की गति प्रभावित होती है और यह विभागीय उदासीनता को दर्शाता है। उन्होंने निर्देश दिए कि विभागीय अधिकारी स्वयं मैदानी निरीक्षण कर कार्यों की सघन मॉनिटरिंग करें तथा 15वें वित्त आयोग और पीएम-अभीम योजना के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता पर पूर्ण किया जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, अंडर ग्रेजुएट/पोस्ट ग्रेजुएट सीट अपग्रेडेशन, सीसीबी सहित सभी अधोसंरचना विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की एवं स्पष्ट निर्देश दिए कि बजट का योजनाबद्ध उपयोग सुनिश्चित किया जाए, और उपकरण एवं फर्नीचर की खरीदी का कार्य समानांतर रूप से किया जाए। जिससे निर्माण कार्य पूर्ण होने और सेवा प्रदाय में विलम्ब न हो।

बैठक में बताया गया कि सिवनी, नीमच और मंदसौर में मेडिकल कॉलेजों का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है और ये संस्थान सेवा में आ चुके हैं। वहीं छतरपुर, दमोह, राजगढ़ और सीआईएमएस छिंदवाड़ा में कार्य प्रगतिरत हैं। मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में यूजी सीट्स अपग्रेडेशन के अंतर्गत भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और रीवा में मेडिकल कॉलेज में कार्य पूर्ण हो चुके हैं। सागर में कार्य प्रगतिरत है। पीजी सीट्स के अपग्रेडेशन के लिए भोपाल, इंदौर, जबलपुर, सागर, ग्वालियर और रीवा में निर्माण एवं संसाधन उन्नयन कार्य प्रगतिरत हैं।

बैठक में यह जानकारी दी गई कि पीआईयू द्वारा राज्य में वर्तमान में 217 कार्य प्रगतिरत हैं, जिनके लिए 1054 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त 24 कार्यों के लिए 283 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है, परंतु वे अभी प्रारंभ नहीं हो पाए हैं। 5 कार्य विभिन्न कारणों से अवरुद्ध हैं। कुल 246 कार्यों के लिए 1027 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी जानी शेष है।

नर्सिंग कॉलेज मंदसौर में बाउंड्री वॉल निर्माण, छिंदवाड़ा में होस्टल और कॉलेज भवन का कार्य, सतना एवं राजगढ़ में लैंड डेवलपमेंट कार्य प्रगतिरत है। नीमच में प्रस्तावित नर्सिंग कॉलेज के लिए टेंडर की स्वीकृति शासन स्तर पर लंबित है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए कुल 352.5 करोड़ रुपए की मांग प्रस्तुत की गई थी, जिसके विरुद्ध अब तक 40.5 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। इसमें से 12.81 करोड़ रुपए का व्यय किया गया है, 52.32 करोड़ रुपए के बिल लंबित हैं। राजगढ़ और छिंदवाड़ा के लिए 22.13 करोड़ एवं 14 करोड़ रुपये के बिल लंबित हैं। दमोह, छतरपुर में आंशिक राशि व्यय की गई है, जबकि जबलपुर को पूरी मांग के अनुरूप राशि प्राप्त हुई है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मांग अनुसार बजट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप यादव, आयुक्त श्री तरुण राठी, संचालक प्रोजेक्ट श्री नीरज कुमार सिंह, एमडी एनएचएम डॉ सलोनी सिडाना, विभागीय वरिष्ठ अधिकारी, पीआईयू के अधिकारी एवं निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ ब्लाक इकाई सिरमौर की मासिक बैठक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ ब्लाक इकाई सिरमौर जिला रीवा म0प्र0 की मासिक बैठक आज दिनांक को विश्राम गृह सिरमौर में राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के कानूनी सलाह शीवेन्द्र पटेल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। मुख्य रूप से मुख्य अतिथि श्री रविदत्त सिंह जी राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री उपस्थित रहे बैठक में निम्न बिन्दुओ में चर्चा की गई जिस किसानो ने गेहूँ मण्डी में बेचा है महीनो से किसानो का पैसा नही मिला गेहूँ खरीदी का तारीख न बढ़ने से विध्यक्षेत्र में किसानो का गेहूँ बिक्री हेतु मण्डी तक लगभग 50 प्रतिशत नही पहुच पाया।

गेहूँ खरीदी की तारीख बढ़ाने हेतु मत्र के माध्यम से राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री अपने प्रतिनिधि मण्डल कमिश्नर से मिलकर तारीख बढ़ाने का अनुरोध किया गया था तारीख बढ़ाने का कारण भी बताया गया था लेकिन गेहूँ खरीदी की तारीख नही बढ़ाई गई, जिसमें विध्यक्षेत्र में सरकार के प्रति किसानो में रोष व्याप्त है जबकि आयुक्त रीवा से आश्वासन मिला था। जहां इस वर्ष सिचाई के लिए खेतो में पानी नही पहुचा फसल नष्ट हो गई माननीय अनुविभागीय दण्डाधिकारी सिरमौर के आदेश क्रमांक 306/रीडर/2025 दिनांक 02.04.2025 के आदेशानुसार चिन्हित गॉवो में कई हल्का पटवारी सर्वे आज तक नही किया। अनुविभागीय अधिकारी महोदय पत्र क्रमांक 58/रीडर/2025 दिनांक 26.03.2025 के आदेशानुसार आज दिनांक तक कोई कार्यवाही नही हुई।

क्योटी कैनाल माड़ो का सिचाई में सीपेज के कारण कई वर्षोसे सैकड़ो एकड़ जमीन किसानो की फसल बोवाई न होने से किसानो में शासन प्रशासन के प्रति रोष व्याप्त है और किसान अपनी जमीन को देखकर खून की ऑसू बहाता है।

विचार

मोदी की तरह एयरबेस नहीं जा सकते शहबाज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं आदमपुर एयरबेस यानी वायु सैनिक अड्डे पर गए जहां से उनका कार्यक्रम पूरी दुनिया ने देखा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कुछ एयरबेस पर जा रहे हैं। पाकिस्तान ने झूठ फैलाया था कि पंजाब स्थित आदमपुर एयरबेस पर हमले में रनवे, मिग-29 जेट, एस.400 एयर डिफेंस सिस्टम और राडार नष्ट कर दिया, 60 सैनिक मारे गए और एयरबेस को भारी नुकसान पहुंचा। पाकिस्तान के सामने चुनौती है कि उसके प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ उन एयरबेसों पर जाकर लाइव दिखाएं जिनके बारे में भारत ने जबरदस्त क्षति पहुंचाने की बात कही है । प्राइवेट कंपनी मेक्सार ने सैटेलाइट की तस्वीरें जारी की हैं। इनमें सरगोधा, नूर खान, भेल्लारी, सुक्कूर, जकोबाबाद स्थित शाहबाज एयरबेस आदि की तस्वीरें बता रही हैं कि 8 मई के पहले कैसी थीं और भारतीय कार्रवाई के बाद किस हालत में हैं। खंडन तभी होगा जब पाकिस्तान वहां से लाइव कार्यक्रम करे और वह प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के द्वारा ही संभव है। काफी दिनों बाद उनमें से कुछ पर जाते हैं तो कोई मायने नहीं होगा क्योंकि कम क्षति वाले कुछ क्षेत्र की मरम्मत की जा सकती है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ऐसा नहीं कर पाए हैं और यही बताता है कि भारतीय सेना का दावा सही है। शब्दों से खंडन करने की जगह प्रधानमंत्री ने स्वयं जाने और सैनिकों से संवाद करने का रास्ता चुना। लाइव तस्वीरें दुनिया देख रही थी। प्रधानमंत्री जहां से बोल रहे थे उसके पीछे एस400 प्रणाली भी दिख रही थी, रनवे भी दिखा और सैनिकों का उत्साह सातवें आसमान पर था। जब कोई देश किसी पर हमला करेगा और हमारे बीच अघोषित युद्ध होगा तो यह संभव नहीं कि उसमें अपना नुकसान नहीं हो। बगैर मूल्य चुकाए कोई उपलब्धि हासिल नहीं होती। देश का मानस पाकिस्तान के साथ सैनिक टकराव में इसके लिए तैयार था कि हमारा भी नुकसान होगा किंतु उसे सबक सिखाए बगैर रुकना नहीं है। जितनी संख्या में उनके मिसाइल, ड्रोन चले, लड़ाकू जैट तक शामिल हुए तो उसका कहीं असर होगा। युद्ध की स्थिति में रणनीति की दृष्टि उस पर चर्चा उचित नहीं होगी। वैसे जितनी जानकारी आई है उसके अनुसार कोई बड़ी क्षति भारत को नहीं हुई। पाकिस्तान ने अपने सैन्य दुस्साहस की शर्मनाक विफलता और लगातार कमजोर होती रक्षा और आक्रमण प्रणाली से देश की जनता की दृष्टि हटाने के लिए लगातार झूठी सूचनाएं प्रसारित कीं।

पाकिस्तान के दुष्प्रचार का साथ देने वाले हमारे देश के ईकोसिस्टम ने आदमपुर से आए वीडियो में एक-एक के चेहरे और आंखों को तलाशने की कोशिश की होगी ताकि कोई या कुछ मिल जाए

अनिवार्य है, कृतघ्न तुर्किए को कठोर संदेश देना

जमू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को 26 निर्दोष हिन्दू पर्यटकों की नृशंस हत्या के उर में शुरू ऑपरेशन सिंदूर पाक समर्थित आतंकवाद पर निर्णायक प्रहार बन गया। चार दिल चले ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान की सारी हेकड़ी निकल गई, और वो सीजफायर की भिक्षा मांगने लगा। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर अवश्य हो गया है, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के बीच तुर्की खासा सुर्खियों में रहा और उसका पाकिस्तान प्रेम खुलकर सामने आ गया। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन, तुर्किए और अजरबैजान का वास्तविक चेहरा अखिल विश्व के समक्ष अनावृत हो गया। पाकिस्तान ने इस दौरान भारत पर जो ड्रोन और मिसाइल दागे वो 'मेड इन' चाइना और तुर्किए में बने थे।

पाकिस्तान ने जो चीन की निकृष्ट मिसाइल और तुर्किए के ड्रोन भारत पर हमले में प्रयोग किये, उनके अवशेष सैन्य बलों के पास हैं। चीन और तुर्किए अब इन प्रमाणों को नकार नहीं सकता है। सीजफायर के बाद पाकिस्तान के मित्र तुर्किए के विरुद्ध भारत में विरोध शुरू हो गया है और सोशल प्लेटफार्म पर बॉयकाट तुर्की मुहिम जोर पकड़ने लगी है। भारतीय टूरिस्ट तुर्किये और अजरबैजान का बॉयकॉट कर रहे हैं। मोदी सरकार ने भी तुर्की को सबक सिखाने के लिए कदम उठाने शुरू कर दिये हैं। लेकिन जिस तरह देशवासियों ने स्वत: तुर्की और अजरबैजान का बॉयकॉट करने की मुहिम छेड़ी है, उसकी जितनी प्रशंसा की जाए, वो कम है। भारतीय नागरिकों के इस भाव का प्रभाव तुर्किए के अरबों डॉलर के व्यापार पर पड़ने वाला है।

तुर्किये 'एहसान फरामोशी' का सबसे कलंकित उदाहरण हो सकता है। जब फरवरी, 2023 में तुर्किए में 7.8 तीव्रता का भूकंप आया था, लगभग चालीस हजार लोग मारे गए थे, इमारतें 'मिट्टी-मलबा' हो गई थीं, तब भारत ने मदद का पहला हाथ बढ़ाया था। भारत ने भूकंप के अलावा भी तुर्किये की कई बार सहायता की है, लेकिन जब मौका आया तो उसने कृतघ्नता ही दिखाई और भारत के शत्रु के पक्ष में खड़ा हो गया। 2009 में तुर्किये ने पहली नैनो सैटेलाइट आईटीयूपीसेट-1 बनाई, जिसे स्पेस में नई टेक्नोलॉजी पर रिसर्च करना, पृथ्वी की तस्वीरें लेना और आंकड़ा एकत्र करने के लिए भेजा जाना था। इस लॉन्च में भारत ने तुर्किये की मदद की थी। इस सबके उपरांत तुर्किये सदैव पाकिस्तान का समर्थन करता रहा है। तुर्किये ने 2019 में भारत के धारा 370 हटाने का भी विरोध किया था। इसके बाद से लगातार तुर्किये यूनाइटेड नेशन जनरल असेंबली यानी यूएनजीए में कश्मीर का मुद्दा उठाता आया है। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में 6-7 मई की रात भारत ने ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया, तो तुर्किये खुलकर पाकिस्तान के साथ दिखा। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि तुर्किये ने पाकिस्तान को करीब 350 ड्रोन और उन्हें चलाने के लिए ऑपरेटर भेजे। 4 मई को तुर्किये ने नौसेना का युद्धपोत टीसीजी बुयुकडा (एफ-512) पूरे बेड़े के साथ पाकिस्तान के कराची पोर्ट पर भेज दिया। तुर्किए ने पाकिस्तान के पहलगाम हमले की अंतरराष्ट्रीय जांच की अनुशंसा का भी समर्थन किया। 10 मई को सीजफायर के बाद शहबाज शरीफ ने एर्दोगन को मदद करने के लिए शुक्रिया अदा किया। तुर्किए के पाकिस्तान का साथ देने के बाद भारतीय पर्यटकों ने धड़ाधड़ तुर्की की यात्राएं कैंसिल करवानी शुरू कर दी है। भारतीय पर्यटकों को आज की तारीख में सिर्फ एक आम ट्रैवलर मानना बहुत बड़ी गलती है। क्योंकि ग्लोबल टूरिज्म इंडस्ट्री के लिए भारतीय पर्यटक एक आर्थिक स्तंभ बन चुके हैं। साल 2023 में भारतीय पर्यटकों ने दुनिया के अलग अलग हिस्सों में घूमने में 18 अरब डॉलर से ज्यादा खर्च किए। ऐसे में अगर भारतीय पर्यटक किसी देश का बहिष्कार करते हैं तो वो सिर्फ एक सोशल मीडिया पर चलाया गया ट्रेंड नहीं होता है, बल्कि एक भूकंप होता है।

पिछले साल जनवरी में मालदीव के कुछ मंत्रियों ने प्रधानमंत्री मोदी के लक्षद्वीप दौरे के दौरान अभद्र भाषा का प्रयोग किया था। जिसके बाद भारत और मालदीव के बीच विवाद काफी बढ़ गया। भारतीय पर्यटकों ने मालदीव का बहिष्कार शुरू कर दिया, जिसने कुछ ही समय में मालदीव के नेताओं को घुटने टेकने के लिए विवश कर दिया। मालदीव की अर्थव्यवस्था, जिसमें टूरिज्म सेक्टर का 28 प्रतिशत योगदान है, उसे गहरा धक्का लगा था, लिहाजा अब बारी तुर्की की है। पिछले कुछ सालों में भारी संख्या में भारतीय पर्यटकों ने घुमने के लिए तुर्की को चुना है। साल 2023 में करीब 2.74 लाख भारतीय नागरिक घूमने के लिए तुर्की गये थे। जबकि 2024 में तुर्की जाने वाले भारतीय पर्यटकों का ये आंकड़ा बढ़कर करीब 3.5 लाख पहुंच गया। भारतीय लोगों के बीच शादी करने, हनीमून मनाने और फैमिली ट्रिप्स के लिए तुर्की तेजी से लोकप्रिय हो रहा था। लेकिन 2025 में तुर्की ने पाकिस्तान का समर्थन करके भारतीयों को अपने विरूद्ध कर लिया है। इसके अलावा भारत जैसे देशों के पर्यटकों का बहिष्कार सिर्फ आर्थिक नहीं, राजनीतिक संदेश भी होता है।

पर्यटन के अलावा भारतीय बाजारों में तुर्की से आयातित सेब की बिक्री पर भी प्रभाव पड़ा है। भारतीय कारोबारियों ने अब ईरान, अमेरिका और न्यूजीलैंड से सेब खरीदना शुरू कर दिया है। सेब उत्पादन करने वाला संघ, जो पहले से ही विदेशों से मंगाए जाने वाले सेब की वजह से नाराज रहता था और तुर्की के सेब पर प्रतिबंध लगाने की मांग करता रहता था, वो अब प्रसन्न है। इस वित्त वर्ष में तुर्की से 1 लाख 60 हजार टन सेब खरीदे गये थे।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत तुर्की के साथ व्यापारिक संबंध समाप्त करने की तैयारी मे। भारत तुर्की से दाल, तिलहन और स्टील जैसी चीजें खरीदता है। दोनों देशों के बीच व्यापार को 20 अरब डॉलर तक ले जाने की योजना थी। लेकिन अब बदले वातावरण में यह संबंध पूर्णत समाप्त हो सकते हैं। 15 मई केंद्र सरकार ने तुर्किये की कंपनी सेलेबी एविएशन की सुरक्षा मंजूरी रद्द कर दी। यह दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु सहित प्रमुख भारतीय हवाई अड्डों पर हाई सिक्योरिटी ऑपरेशन संभालती है। भारत के प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थानों ने भी तुर्की से एकेडमिक समझौते रद्द कर दिये हैं। इनमें जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी यानी जेएनयू, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, आईआईटी रुड़की, शारदा विश्वविद्यालय और लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी शामिल हैं।

भारत सरकार ने व्यापार के अलावा कूटनीति के मोर्चे पर भी तुर्किये को बड़ा सबक सिखाने का मन बना लिया है। तुर्किये को सबक सिखाने के लिए भारत उसके अंदर के मुद्दों को बाहर लाएगा। तुर्किये में लगातार बढ़ रही मानवाधिकार हनन की घटनाओं को भारत यूनाइटेड नेशन्स के समक्ष रख सकता है। इसके अलावा 'साइप्रस का मुद्दा% तुर्किये की सबसे बड़ी कमजोरी बन चुका है। तुर्किए और साइप्रस के बीच की जंग दशकों पुरानी है, इसके बावजूद तुर्किये इसे समाप्त नहीं कर पा रहा। भारत इस मुद्दे के सहारे तुर्किये को सबक सिखा सकता है। येन-केन-प्रकारेण, तुर्किये ने इस्लामी देशों का 'खलीफा' बनने की भ्रांति पाल रखी है, इसलिए उसकी हेकड़ी तोड़ना अत्यावश्यक है।

तुर्किए को सबक सिखाना इसलिए भी अहम है क्योंकि अखिल विश्व को यह संदेश देना चाहिए कि भारत के शत्रु का जो भी साथ देगा, उसे भारत शत्रु की श्रेणी में ही रखेगा। व्यापार, हानि-लाभ और कूटनीति अपने स्थान पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शब्दों में कहा जाए तो हमारे दिल में %नेशन फर्स्ट% का भाव सर्वोच्च होना चाहिए। केवल तुर्किए ही नहीं, हमें हर उस देश और व्यक्ति का बॉयकॉट करना चाहिए या हमारे भीतर शत्रु बोध होना चाहिए, जो हमारे देश के प्रति शत्रुता रखता हो, शत्रुता का भाव और विचार रखता हो और जो हमारे शत्रु से मित्रता निभाता हो।

भारत-रूस-चीन सम्बन्धों की राह के रोड़ों को समझिए और उन्हें समझदारी पूर्वक दूर हटाइए

चूंकि रूस, भारत का सबसे भरोसेमंद देश है, इसलिए उसकी चिंता को भारत हमेशा अपनी चिंता समझते आया है। ठीक इसी प्रकार से रूस को भी भारत की चिंताओं को अपनी चिंता समझनी चाहिए, भले ही वह चीन से ही जुड़ीं हुईं क्यों न हो! अक्सर देखा जाता है कि भारत-पाकिस्तान मामलों में रूस मुखर हो जाता है, लेकिन भारत-चीन मामलों में मौन! आखिर ऐसा क्यों और कबतक? वहीं, भारत का नया दोस्त अमेरिका, भारत-चीन मामलों में तो मुखर रहता है, लेकिन भारत-पाकिस्तान मामलों में वह थोड़ा पाकिस्तान की तरफ झुक जाता है, ताकि युद्ध बढ़े, हथियार बिके! भारत इन कूटनीतिक चतुराइयों को बखूबी समझते आया है, इसलिए वह गुटनिरपेक्ष बने रहते हुए भी अमेरिका के मुकाबले रूस से ज्यादा सहानुभूति रखता है।

कूटनीतिक मामलों के जानकारों के मुताबिक, भारत-रूस जैसे मजबूत देशों के कॉमन शत्रु अमेरिका-ग्रेट ब्रिटेन समझे जाते हैं। इसलिए यूरोप-अमेरिका खासकर यूएसए-यूनाइटेड किंगडम से मुकाबले के लिए रूस को भारत की जरूरत हमेशा पड़ेगी। भले ही चीन उसके साथ हो, किन्तु उसके अलावा भारत की जरूरत भी उसे निश्चित रूप से पड़ेगी, क्योंकि मौजूदा भू-राजनीतिक समीकरण में गुटनिरपेक्ष भारत जिसके पाले में जायेगा, उसे मनोवैज्ञानिक बढ़त मिलेगी। इसलिए वक्त का तकाजा है कि नई दिल्ली-मॉस्को डिप्लोमैटिक एक्सप्रेस वे को बहुत ही तल्लीनता पूर्वक नया आकार दिया जाए। इस नजरिए से रूस के अलावा चीन को भी समझदारी दिखानी पड़ेगी, अन्यथा पश्चिमी देश अपने दूरगामी हितों की पूर्ति के लिए उसे नष्ट करके ही दम लेंगे। इस बात में कोई दो राय नहीं कि चीन को मजबूत आर्थिक व वैज्ञानिक ताकत बनाने में अमेरिका की बड़ी भूमिका है। हालांकि अब चीन, अमेरिका के लिए भस्मासुर बन चुका है, इसलिए अमेरिका उसे पड़ोसियों के साथ उलझकर बर्बाद करना चाहता है, ताकि दुनिया के थानेदार के रूप में उसकी गद्दी सुरक्षित रहे।

याद दिला दें कि जैसे यूएसएसआर को अमेरिका ने 1980 के दशक में छिन्न-भिन्न करवा दिया और उसके मजबूत उत्तराधिकारी रूस को यूक्रेन से अबतक उलझाए रखा है। वहीं, चीन को ताइवान-भारत से उलझाकर बर्बाद करना चाहता है। जबकि भारत के खिलाफ पाकिस्तान-बंगलादेश की पीठ ठोकने में कभी प्रत्यक्ष तो कभी छुपे रुस्तम की भूमिका निभाता है। इसलिए रूस-चीन-भारत के त्रिकोण और ब्रिक्स देशों के नेतृत्व को बारीक कूटनीति करनी होगी, ताकि दुनिया पर पश्चिमी देशों के शिकंजे को कमजोर करके एशियाई हित साधा जा सके।

इस प्रकार भारत-रूस के ऐतिहासिक सम्बन्धों की दिशा में यदि कोई बाधक तत्व है तो वह चीन की भारत सम्बन्धी %खलनीति% वाली कूटनीति! देखा जाए तो जिस तरह से चीन ने कभी भारतीय भूभाग रहे स्वायत्त तिब्बत प्रदेश पर 1950 के दशक में कब्जा जमाया और उसे जायज ठहराने के लिए 1962 में भारत पर युद्ध थोपा दिया, वह उसकी दुष्टता की पराकाष्ठा थी।

ततपश्चात चीन ने पाकिस्तान जैसे दुश्मन देश को संरक्षण दिया, जो भारतीय गरिमा के खिलाफ है। चूंकि चीन, अपनी कूटनीति के तहत भारत के पड़ोसी देशों-नेपाल, भूटान, म्यांमार, श्रीलंका, मालदीव, पाकिस्तान, बंगलादेश, अफगानिस्तान के अलावा विभिन्न अरब देशों-ईरान, टर्की और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों- इंडोनेशिया, मलेशिया आदि को भारत के खिलाफ भड़काते हुए पाकिस्तान के करीब लाने में मदद करता है,

इसलिए भारत को रूस के अलावा अमेरिका और यूरोप को भी साधना पड़ा!

दरअसल, दुनियावी भू-राजनीति में 1980 के दशक के उत्तरार्द्ध में सोवियत संघ के पतन और भूमंडलीकरण, निजीकरण के बाद वर्ष 2000 के दशक में एक ऐसा मोड़ आया, जब पूरी दुनिया ने यह महसूस किया कि बेलगाम इस्लामिक आतंकवाद के उन्मूलन के लिए भारत और अमेरिका-यूरोप का साथ आना जरूरी है। चूंकि इस मुद्दे पर दोनों समूहों की चिंताएं साझी प्रतीत हो रही थीं। इसलिए भारत ने भी अमेरिका से दोस्ती का हाथ बढ़ाया, जो कि रूस को नागवार गुजरी। यह बात एक हद तक इसलिए भी सही थी कि अमेरिका-यूरोप कभी भी किसी देश के प्रति वफादार नहीं रहते। इसलिए भारत सदैव इस नई दोस्ती से सतर्क रहा। उसने उत्साहपूर्वक कभी भी रूस-चीन विरोधी पहल में बढ़चढ़ कर हिस्सा नहीं मिला। सिर्फ अपने प्रतिरक्षात्मक हितों को ही वरीयता दिया। इसलिए ढाई दशक बाद ही सही लेकिन ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद दिखाई पड़ी अमेरिकी-यूरोपीय बौखलाहट ने भारत के कान खड़े कर दिए हैं। पहलगाम आतंकी बारदात के बाद शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर में भारत की सफलता से घबराए अमेरिका ने जिस तरह से चीन को साधकर आईएमएफ से उसे अरबों डॉलर की मदद दिलवाई, उससे वह बेनकाब हो चुका है। भारत के लिए अमेरिका-इंग्लैंड शुरू से ही अविश्वसनीय रहे हैं। चूंकि, इन नए रिश्तों के प्रति भारत शुरू से ही चौकन्ना रहा है, इसलिए आज भी भारतीय हित सुरक्षित हैं। कहना न होगा कि अफगानिस्तान-पाकिस्तान में धार्मिक आतंकवाद का बीजारोपण और उन्हें परोक्ष संरक्षण अमेरिका-यूरोप की गुप्त आधिकारिक और कारोबारी नीति रही है, जिनका मकसद एशिया में पहले सोवियत संघ (रूस) और अब चीन व भारत के प्रभाव को कम करना है। इसलिए भारत इनके साथ शुरू से ही फूंक फूंक कर कदम बढ़ा रहा है। यही वजह है कि भारत के रिश्ते सबके साथ समझदारी भरे हैं। चूंकि भारत स्वहित के अलावा साउथ ग्लोबल यानी तीसरी दुनिया के देशों का भी हित साधना चाहता है, इसलिए वह जी7 के दांवपेचों को अच्छी तरह से समझता है और जी 20 में उन्हें संतुलित करता है। ऐसे में रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव द्वारा 15 मई 2025 को यह कहना कि पश्चिम के देश भारत और चीन को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा कर रहे हैं, सही वक्त पर उठाई हुई सटीक आवाज है। लिहाजा, इस मामले में भारत और चीन को इतिहास की गलतियों को करेक्ट करते हुए आगे बढ़ना होगा, क्योंकि दोनों परमाणु शक्ति संपन्न देश हैं। दरअसल, मास्को में एक समिट के दौरान उन्होंने एशिया पैसिफिक क्षेत्र का उदाहरण देते हुए कहा कि ये देखना जरूरी है कि अभी क्या हो रहा है? क्योंकि पश्चिम के देशों ने अपनी नीति को मोटे तौर पर चीन विरोधी दिशा देने के लिए इस क्षेत्र को हिंद प्रशांत क्षेत्र कहना शुरू कर दिया है।

उन्होंने खुलासा किया कि इसके जरिए पश्चिम देश इस उम्मीद में हैं कि पड़ोसी देशों चीन और भारत के बीच टकराव पैदा किया जा सके। इसके साथ ही लवरोव ने आसियान का भी जिक्र किया और कहा कि पश्चिम के देश आसियान की भूमिका को भी कम करने की भी कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि पश्चिमी देश दुनिया के दूसरे हिस्सों की तरह यहां भी प्रभावशाली रोल में आना चाहते हैं, जिससे आसियान की केंद्रीयता प्रभावित हो सके।

ग्राम भगवानपुर में सुशासन तिहार 2025 के तहत विशेष शिविर संपन्न, 1248 आवेदनों का हुआ त्वरित निराकरण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के विकासखंड भरतपुर के ग्राम भगवानपुर में सुशासन तिहार 2025 के तीसरे चरण के अंतर्गत एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन 8 अप्रैल से 11 अप्रैल तक आयोजित जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की श्रृंखला का हिस्सा रहा। शिविर की शुरुआत छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुई, दीप प्रज्वलन के पश्चात जनप्रतिनिधियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया गया। शिविर में शासन की विभिन्न जनहितैषी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी गई। प्रशासन द्वारा प्राप्त कुल 1419 आवेदनों में से 1248 का त्वरित निराकरण किया गया, जबकि 171 आवेदन प्रक्रियाधीन बताए गए। ग्रामीणों को बताया गया कि यह शिविर न केवल जानकारी देने का माध्यम है, बल्कि समस्याओं के तत्काल समाधान का भी एक मंच है। शिविर में घघरा, अक्तवार, भगवानपुर, नेरूआ, दुधांसी, बरौता, खोटरा, कुदरा-प के सैकड़ों ग्रामीणों ने भाग लिया। शिविर में जनपद पंचायत द्वारा हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया जिसमें संतोषी कोल, शोभा बाई गोंड, रजनी, राममनोहर, सुखमती सिंह, मानमती, राम सिंह, बसंत जोगी, प्रेमिया सिंह, विभामती सिंह, फूल कुवर सिंह एव सम्पतिया सिंह को नवीन राशन कार्ड वितरित किए गए। शिविर में जिला पंचायत सदस्या अनिता चौधरी जनपद सदस्या राजकली बैगा, सविता सिंह, आरती, सरपंच फुलेश्वरी बाई, उप सरपंच ज्योति सिंह, जिला पंचायत सदस्या सुखमंती सिंह, युवा मोर्चा के अध्यक्ष कुलदीप तिवारी ,उपाध्यक्ष ज पं. भरतपुर हीरा लाल मौर्य, मण्डल अध्यक्ष जनकपुर नरेश यादव, पूर्व मण्डल अध्यक्ष पवन शुक्ला, आदित्य गुप्ता, विधायक प्रतिनिधि दुर्गा प्रसाद मिश्र, पूर्व मण्डल अध्यक्ष राजा राम जी, मण्डल अध्यक्ष कोटाडोल मनोज गुप्ता, मण्डल अध्यक्ष कुवारपुर प्रदीप सिंह, रवि शंकर सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने शिविर की सफलता में सक्रिय भूमिका निभाई और ग्रामीणों की समस्याओं का यथासंभव समाधान सुनिश्चित किया।

किसानों को ई कृषि यंत्र पोर्टल से है अनुदान की सुविधा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र) कृषि को उन्नत बनाने के लिए कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से किसानों को लाभान्वित किया जा रहा है। खेती से जुड़े उपकरणों की खरीद पर किसानों को उनकी पात्रता के अनुसार ई कृषि यंत्र पोर्टल के माध्यम से अनुदान की सुविधा दी जा रही है। ई कृषि यंत्र पोर्टल पर पंजीयन कराने के बाद किसान ट्रैक्टर, पावर टिलर सहित सभी तरह के शक्ति चालित एवं स्वचलित कृषि यंत्रों पर अनुदान का लाभ ले सकते हैं। पोर्टल के माध्यम से बिजली एवं डीजल से चलने वाले सिंचाई पंप, ड्रिप सिस्टम, स्प्रिंकलर, रेनगन तथा सिंचाई पाइपलाइन के लिए भी अनुदान की भी व्यवस्था है।

इस संबंध में उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने बताया कि ई कृषि यंत्र पोर्टल पर पंजीयन कराने के लिए किसान के यूआईडीएआई आधार पंजीयन में अधिकृत फिंगर प्रिंट स्केनर डिवाइस के माध्यम से पंजीयन की सुविधा दी गई है। आधार कार्ड और स्वयं की फोटो अपलोड करके भी किसान पंजीयन की सुविधा प्राप्त कर सकते हैं। पंजीयन के साथ-साथ किसान को अनुदान का लाभ लेने के लिए निर्धारित प्रपत्र में घोषणा पत्र देना होगा। जिसमें इस बात का उल्लेख रहेगा कि गत वर्षों में निर्धारित अवधि में किसान को अनुदान का लाभ नहीं मिला है। पंजीयन होते ही किसान को कृषि सामग्री के लिए जिले और आसपास के क्षेत्र में उपलब्ध अधिकृत विक्रेताओं की सूची पोर्टल पर उपलब्ध हो जाएगी। किसान के पंजीकृत मोबाइल पर एसएमएस के माध्यम से पंजीयन की जानकारी तथा विशेष कोड प्राप्त होगा। इस कोड के माध्यम से डीलर के यहाँ किसान का आवेदन पत्र खुलेगा। किसान पंजीयन का प्रिंट आउट और विक्रेताओं की सूची प्राप्त कर सकते हैं। इन अधिकृत विक्रेताओं में से किसान अपनी पसंद तथा कृषि उपकरण का मोलभाव करके विक्रेता का चुनाव कर सकते हैं। पंजीयन के बाद किसान को अधिकतम 10 दिन की समय सीमा में उपकरण खरीदना होगा। समय सीमा पूरी होने पर पंजीयन अपने आप निरस्त हो जाएगा। साथ ही किसान अगले 6 माह के लिए पंजीयन से अपात्र हो जाएगा। पोर्टल के माध्यम से किसान एक साल में केवल दो उपकरणों के लिए आवेदन कर सकता है। एक ही उपकरण को खरीदने का लाभ पुनः लेने के लिए पोर्टल में समय सीमा तय है। स्वचलित और शक्ति चलित पंप में पाँच साल तथा शेष सिंचाई पंप, ड्रिप सिस्टम, स्प्रिंकलर, रेनगन तथा सिंचाई पाइप विद्युत एवं डीजल पंप में सात साल में एक बार खरीदने का लाभ मिलेगा।

ग्राम जरौधा में सुशासन तिहार 2025 के तहत विशेष शिविर संपन्न, 1020 आवेदनों का हुआ त्वरित निराकरण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के विकासखंड खड़गवां के ग्राम जरौधा में सुशासन तिहार 2025 के तीसरे चरण के अंतर्गत एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की शुरुआत छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुई, दीप प्रज्वलन के पश्चात जनप्रतिनिधियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल उपस्थित रहे। शिविर में शासन की विभिन्न जनहितैषी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी गई। सभी विभागों से प्राप्त कुल 1,207 आवेदनों में से 1,020 का त्वरित निराकरण किया गया, जबकि शेष 190 आवेदन प्रक्रियाधीन हैं। ग्रामीणों को बताया गया कि यह शिविर न केवल जानकारी देने का माध्यम है, बल्कि समस्याओं के तत्काल समाधान का भी एक मंच है। शिविर में सलका, फुनगा, मंगोरा, बेलकामार, कटकोना, सकड़ा एव जरौधा, के सैकड़ों ग्रामीणों ने भाग लिया। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे, जिन्होंने अपने-अपने विभाग से संबंधित चलाई जा रही योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन योजनाओं का क्रियान्वयन कैसे किया जा रहा है और आप इनका लाभ कैसे ले सकते हैं। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने विशेष रूप से सहभागिता की, जिसमें ग्रामीण क्षेत्र के पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाभान्वित किया गया जिसमें जनपद पंचायत द्वारा विमला, सुंदरकली, रामकली, ललिता कुर्रे, रीतू ,लीलावती, कमला यादव, सोनकुवर, बिमला, रेखा और संगीता सिंह को नवीन राशन कार्ड वितरित किए गए। इससे अब ये परिवार नियमित रूप से सरकारी खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ ले सकेंगे। वहीं, स्वास्थ्य विभाग द्वारा बॉबी, विमल कुमार, विश्व कुमार, राम कुंवर, अमर सिंह, जयमुनिया, रामकली, पवन सिंह, जयप्रताप सिंह और जिरसिया बाई को आयुष्मान भारत कार्ड प्रदान किए गए, जिसके माध्यम से वे अब निःशुल्क इलाज की सुविधा प्राप्त कर सकेंगे। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से मीरा बाई, बसंती, सावित्री, रामवती, संगीता और संतोषी को गोद भराई योजना का लाभ दिया गया। साथ ही आयुष कुमार, नित्या, सुमित, शिवानी एवं प्रार्थना को सुपोषण टोकरी वितरित की गई, जिससे उनके पोषण स्तर को बेहतर बनाया जा सकेगा। कार्यक्रम के दौरान आयांश, रितविक, सुहानी, रितेश कुमार, कमलेश और भूमिका का अन्नप्राशन संस्कार भी संपन्न कराया गया, जिसमें बच्चों को पहली बार अन्न ग्रहण कराया गया। स्वास्थ्य मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि ग्राम पंचायत में आयोजित समाधान शिविर केवल जनसेवा के लिए है, न कि किसी राजनीतिक उद्देश्य के लिए। उन्होंने कहा,आप सब तेज धूप में इसलिए आए हैं क्योंकि आपको विश्वास है कि यहां आपकी समस्याओं का समाधान होगा। मंत्री जी ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय खुद बस्तर और सरगुजा जैसे दुर्गम क्षेत्रों में शिविरों में पहुँचकर आम जनता की समस्याएं सुन रहे हैं। उन्होंने इसे सुशासन की मिसाल बताया। मंत्री जी ने कहा कि सरकार ने जो वादे किए थे, उन्हें निभाया है। महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश की 70 लाख माताओं को ?1,000 प्रतिमाह की सहायता दी जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत सभी पात्र नागरिकों को आयुष्मान कार्ड उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे उन्हें ?5 लाख तक की निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा मिल सकेगी। मंत्री ने किसान राजेंद्र सिंह का उदाहरण देते हुए बताया कि उन्हें ?3.10 लाख की राशि प्राप्त हुई है। सरकार ने समर्थन मूल्य ?3,100 प्रति क्विंटल तय किया है, जिससे किसानों को सीधा लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि धान की पैदावार में करीब 10-11 रुपये प्रति किलो का खर्च आता है, और एक एकड़ में अगर औसतन 15 क्विंटल उत्पादन होता है तो लगभग 1 लाख रुपये खर्च आता है। ऐसे में सरकार की योजना से किसानों को सीधा लाभ मिल रहा है। मंत्री जी ने जोर देकर कहा कि सरकार द्वारा दिए गए 10,000 रुपये प्रति वर्ष की सहायता ष्प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनाष् के तहत आती है, और यह धन किसानों की मेहनत की कमाई का सम्मान है। उन्होंने लोगों से अपील की कि इस पैसे का सदुपयोग करें दृ खेत की मेड़ बनवाने, ट्यूबवेल लगाने या उत्पादन बढ़ाने के लिए करें। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कोई भूमिहीन किसान है, जिसके पास जमीन नहीं है लेकिन वह खेती करता है, तो ऐसे लोगों को भी चिन्हित कर ?10,000 की सहायता दी जाएगी। इसके लिए एक अभियान चलाया जाएगा, जैसा कि बलौदा बाजार में हुआ है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित करें कि सभी पात्र किसान 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना' के तहत लाभ प्राप्त कर रहे हैं। यदि किसी काचङ्कष्ट नहीं हुआ है, तो अगले शिविर में उसे पूरा किया जाएगा। साथ ही चेतावनी भी दी कि यदि इसमें लापरवाही हुई तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। मंत्री जी ने अंत में कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ हर जरूरतमंद तक पहुँचना चाहिए, और इसमें ग्राम सेवकों और विस्तार अधिकारियों की भी जिम्मेदारी है कि वे लोगों को योजनाओं की जानकारी दें और उनका लाभ दिलाएं। मंत्री जी ने जनता को शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी सौगात दी।

संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क में हुआ भव्य ओरिएंटेशन कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। यह कार्यक्रम 2025-2026 सत्र के नवप्रवेशी विद्यार्थियों के स्वागत एवं मार्गदर्शन हेतु रखा गया, जिसमें उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों से आए विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया। इस वर्ष लगभग 350 छात्रों ने प्रवेश प्राप्त किया, जो संस्थान की बढ़ती लोकप्रियता और गुणवत्ता का प्रतीक है। देश के अलग अलग राज्यों मे प्रचार प्रसार की रणनीति बनाई गई जिसका परिणाम इस सत्र मे आएं छात्रों से दीखता है!

वर्तमान में ग्लोबल स्किल्स पार्क में लगभग 821 विद्यार्थी विभिन्न तकनीकी ट्रेड्स में प्रशिक्षण ले रहे हैं, जो संस्थान की व्यापक पहुंच और प्रभावशीलता को दर्शाता है। सबसे प्रेरणादायक तथ्य यह रहा कि इस वर्ष बालिकाओं का नामांकन न केवल पिछले वर्ष की तुलना में अधिक रहा, बल्कि यह यह दर्शाता है कि बेटियाँ तकनीकी शिक्षा में नए प्रतिमान स्थापित कर रही हैं। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को संस्थान की कार्यप्रणाली, अत्याधुनिक सुविधाओं, उच्च गुणवत्ता वाले प्रशिक्षण तथा भविष्य के अवसरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

यह गौरवशाली संस्थान माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. गौतम टेटवाल के दूरदर्शी मार्गदर्शन में निरंतर प्रगति कर रहा है। तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के सचिव श्री रघुराज राजेन्द्रन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गिरीश शर्मा , निदेशक नीरज सहाय , रोमा बाजपाई के प्रेरक नेतृत्व में एसएसआर जीएसपी छात्रों को न केवल तकनीकी रूप से दक्ष बना रहा है, बल्कि उन्हें एक सशक्त, आत्मनिर्भर एवं उज्जवल भविष्य की ओर भी अग्रसर कर रहा है।

अगले सत्र मे ग्लोबल स्किल्स पार्क की सभी सीट भरने की संभावना है उस का मुख्य कारण यहाँ के छात्रों का 100 प्रतिशत प्लेसमेंट हैं!

संग्रहालय शिक्षा और अनुसंधान विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न-- डॉ विनोद पांडेयं

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के कलेक्टर डी राहुल वेंकट के निर्देश पर डॉ विनोद पांडेय जिला नोडल अधिकारी पुरातत्व/ पर्यटन एवं संस्कृति विभाग एवं समन्यक/ सदस्य जिला पुरातत्व संघ एमसीबी छत्तीसगढ़ शासन पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग द्वारा दिनांक 16 से 18 मई तक महंत घसीदास स्मारक संग्रहालय रायपुर में अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के थीम पर 'संग्रहालय, शिक्षा और अनुसंधान' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ संजीब कुमार सिंह डायरेक्टर एवं कंसलटेंट अंतर्राष्ट्रीय राम कथा संग्रहालय श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र अयोध्या, अध्यक्षता नंदन शास्त्री फार्मर क्यूरेटर सरदार पटेल विश्वविद्यालय गुजरात एवं मुख्य वक्ता डॉ.पीयूष रंजन साहू आर्कियोलॉजिकल सर्वे आफ इंडिया उप क्षेत्रीय कार्यालय जगदलपुर, डॉ. उमाकांत मिश्रा, प्रोफेसर विवेक शाह विश्वविद्यालय उड़ीसा, प्रोफेसर एल.एस निगम पूर्व कुलपति एस.एस पी विश्वविद्यालय दुर्ग ,डॉ.हीरेन शाह फाउंडर ऑफ़ हाउसिंयम एवं रीना दीवान संचालक बी- कैफ बोर्ड मेंबर आरकॉम, इंटरकॉम आर्ट क्यूरेटर कोलकाता एवं शशि चंद्र देसाई कंसलटेंट मॉरीशस रहे संगोष्ठी में विभिन्न अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर संग्रहालय एवं अनुसंधान के बारे में विस्तार से जानकारी दी और विद्वानों एवं प्रोफेसर से संवाद कर जिले में पुरातत्व संघ संग्रहालय की स्थापना की संभावनाओं पर जोर दिया ताकि इन संग्रहालयों के माध्यम से अपनी संस्कृति की जड़े संभालने की दिशा का कार्य मील का पत्थर साबित हो ज्ञात रहे डॉ पांडेय 50 से भी अधिक राष्ट्रीय सेमिनार में शिक्षा, मानव अधिकार, जिले के पर्यटन एवं पुरातत्व, ग्रामीण विकास आदि विषयों पर अपने शोध पत्रों का वाचन कर चुके हैं तथा शिक्षा के क्षेत्र में राज्य शिक्षक पुरस्कार राज्यपाल पुरस्कार, मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण, अक्षय प्रबोधक, शिक्षा श्री, कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा राज्य स्तर स्वतंत्रता दिवस पर केंद्रीय मंत्री से पुरस्कृत व अनेक सामाजिक संगठनों से सम्मानित हो चुके हैं, इस संगोष्ठी में मुख्य रूप से संचालक विवेक आचार्य, उपसंचालक पी.सी पारख, एवं पुरातत्ववेदता प्रभात कुमार, अजय चतुर्वेदी ,डॉ मोहन साहू, प्रवीण तिर्की एवं अमर पटवा उपस्थित रहे ।

बी.एड. और डी.एल.एड. प्रवेश परीक्षाएं 22 मई को

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मंडल, रायपुर द्वारा 22 मई 2025 गुरुवार को बी.एड. एवं डी.एल.एड. प्रवेश परीक्षा आयोजित की जा रही है। प्री.बी.एड प्रवेश परीक्षा प्रातः 10 बजे से 12.15 बजे तक और प्री.डी.एल.एड प्रवेश परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 4.15 बजे तक जिले के 08 परीक्षा केंद्रों में आयोजित होना नियत है। अतएव उक्त परीक्षा में सम्मिलित होने वाले परीक्षार्थियों हेतु निम्नानुसार दिशा-निर्देश जारी किया जाता है। परीक्षा दिवस को प्रत्येक परीक्षार्थी एक घंटे पूर्व अपने परीक्षा केन्द्र में उपस्थित हो, जिससे उनके मूल पहचान पत्र से उनका पहचान किया जा सकें एवं परीक्षा केन्द्र में जाने हेतु अनुमति दी जा सके। परीक्षार्थी परीक्षा दिवस से एक दिवस पूर्व अपने परीक्षा केन्द्र की भौगोलिक स्थिति से भली-भॉती परिचित हो जाये। परीक्षा प्रारंभ होने के पश्चात् किसी भी परीक्षा केन्द्र में प्रवेश नहीं दिया जायेगा। परीक्षार्थियों को अपना फोटोयुक्त मूल आई.डी. प्रूफ जैसे मतदाता पहचान पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, पेन कार्ड, आधार कार्ड, पासपोर्ट, विद्यालय का फोटोयुक्त परिचय पत्र, फोटोयुक्त अंकसूची मूलरूप में (फोटो कॉपी मान्य नहीं) परीक्षा दिवस में परीक्षा केन्द्र में लाना अनिवार्य होगा।

रीवा की खबरें

ई केवाईसी कराने पर ही मिलेगा जून माह से खाद्यान्न - कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत संचालित उचित मूल्य दुकानों से खाद्य सुरक्षा योजना के हितग्राहियों को हर माह निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न दिया जा रहा है। शासन द्वारा एक जून से स्मार्ट खाद्यान्न वितरण व्यवस्था लागू की जा रही है। इस व्यवस्था का लाभ लेने के लिए प्रत्येक राशन कार्ड में दर्ज हितग्राही का ई केवाईसी होना अनिवार्य है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने सभी राशन कार्डधारियों से अपील करते हुए कहा है कि इस माह का खाद्यान्न लेने के लिए उचित मूल्य दुकान जाने पर सभी सदस्यों का ई केवाईसी करा लें। ई केवाईसी न कराने पर यह माना जाएगा कि राशन कार्ड में दर्ज सदस्य वर्तमान में दर्ज पते पर नहीं रह रहा है। इसे स्थाई पलायन मानते हुए उसका नाम राशन कार्ड से पृथक किया जाएगा। ई केवाईसी न कराने पर 31 मई के बाद खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ नहीं मिलेगा। उचित मूल्य दुकान से खाद्यान्न प्राप्त करने के लिए ई केवाईसी तत्काल करा लें। इसके लिए उचित मूल्य दुकान के सेल्समैन से संपर्क करके पीओएस मशीन के माध्यम से पूरी जानकारी एम राशन मित्र पोर्टल पर दर्ज करें।

पात्र हितग्राहियों के ईकेवायसी से शेष अपात्र सदस्यों का पोर्टल से विलोपन की कार्यवाही करें - कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत संचालित उचित मूल्य दुकानों से खाद्य सुरक्षा योजना के हितग्राहियों को हर माह निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न दिया जा रहा है। शासन द्वारा एक जून से स्मार्ट खाद्यान्न वितरण व्यवस्था लागू की जा रही है। इस व्यवस्था का लाभ लेने के लिए प्रत्येक राशन कार्ड में दर्ज हितग्राही का ई केवाईसी होना अनिवार्य है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने सभी राशन कार्डधारियों से अपील करते हुए कहा है कि इस माह का खाद्यान्न लेने के लिए उचित मूल्य दुकान जाने पर सभी सदस्यों का ई केवाईसी करा लें। ई केवाईसी न कराने पर यह माना जाएगा कि राशन कार्ड में दर्ज सदस्य वर्तमान में दर्ज पते पर नहीं रह रहा है। इसे स्थाई पलायन मानते हुए उसका नाम राशन कार्ड से पृथक किया जाएगा। ई केवाईसी न कराने पर 31 मई के बाद खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ नहीं मिलेगा। उचित मूल्य दुकान से खाद्यान्न प्राप्त करने के लिए ई केवाईसी तत्काल करा लें। इसके लिए उचित मूल्य दुकान के सेल्समैन से संपर्क करके पीओएस मशीन के माध्यम से पूरी जानकारी एम राशन मित्र पोर्टल पर दर्ज करें। कलेक्टर ने एसडीएम जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों, जिला आपूर्ति अधिकारी तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को ई केवाईसी से शेष अपात्र सदस्यों का पोर्टल से नाम 31 मई तक विलोपित करने के निर्देश दिये हैं। कलेक्टर ने कहा है कि जो व्यक्ति उचित मूल्य दुकान में आकर पूरी जानकारी प्रस्तुत कर दे उसका ई केवाईसी तत्काल कर दें। खाद्यान्न वितरण के बाद उचित मूल्य दुकान के सेल्समैन अन्य कर्मचारियों के साथ शिविर लगाकर शेष बचे हितग्राहियों की ई केवाईसी कराएं। उचित मूल्य दुकानवार सूची उपलब्ध करा दी गई है।

श्रमोदय आदर्श आईटीआई में प्रवेश के लिए पंजीयन 31 तक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। श्रमोदय आदर्श आईटीआई भोपाल में संचालित 8 ट्रेडों में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। आवेदक डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डीएसडी डॉट एमपी डॉट जीओभी डॉट इन पर 31 मई तक पंजीयन कर सकते हैं। इस संबंध में श्रम पदाधिकारी प्रिया अग्रवाल ने बताया कि संचालित ट्रेड तकनीशियन मेकाट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रीशियन, सीएनसी मशीनिंग तकनीशियन, सिविल इंजीनियरिंग असिस्टेंट के लिये दो वर्षीय पाठ्यक्रम तथा फैशन डिजाइन एण्ड टेक्नोलॉजी, इंटीरियर डिजाइन एण्ड डेकोरेशन आयओटी स्मार्ट सिटी, वेल्डर एक वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु आवेदन किये जा सकते हैं। वेल्डर के लिए प्रवेश योग्यता आठवीं उत्तीर्ण है जबकि शेष सभी सात पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए दसवीं कक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल के पंजीकृत श्रमिक एवं उनके आश्रित परिवार के सदस्य श्रमोदय आदर्श आईटीआई में एक वर्षीय एवं दो वर्षीय व्यवसाहय में निःशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते है।

जिले में 1010855 हितग्राहियों का ई केवाईसी हुआ अपडेट

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। खाद्य सुरक्षा योजना से लाभान्वित सभी हितग्राहियों के ई केवाईसी अपडेशन का कार्य लगातार किया जा रहा है। इस संबंध में जिला आपूर्ति अधिकारी कमलेश तांडेकर ने बताया कि जिले में खाद्य सुरक्षा योजना से लाभान्वित परिवारों के 12 लाख 48 हजार 209 सदस्य राशन मित्र पोर्टल पर दर्ज हैं। इन सभी सदस्यों का ई केवाईसी दर्ज कराने तथा मृतक एवं स्थाई रूप से पलायन कर गए व्यक्तियों के नाम पृथक करने की कार्यवाही लगातार की जा रही है। इसके लिए शासन द्वारा निर्धारित अंतिम तिथि 15 मई को बढ़ाकर 31 मई कर दिया गया है। ई केवाईसी कराने के लिए उचित मूल्य दुकान के सेल्समैन पीओएस मशीन के माध्यम से हितग्राहियों का ई केवाईसी अपडेट कर रहे हैं। ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक और नगरीय क्षेत्रों में वार्ड प्रभारी भी ई केवाईसी अपडेट कर रहे हैं। एप के माध्यम से हितग्राही को स्वयं ई केवाईसी दर्ज कराने की भी सुविधा दी गई है। इसके अलावा कॉमन सर्विस सेंटर तथा मोबाइल ऐप में भी ई केवाईसी अपडेशन की सुविधा उपलब्ध है। जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि अब तक जिले में 10 लाख 10 हजार 855 हितग्राहियों की ई केवाईसी की जा चुकी है। यह कुल हितग्राहियों का 81 प्रतिशत है। जिसमें जनपद पंचायत गंगेव में 130537, जवा में 123328, रायपुर कर्चुलियान में 162384, रीवा में 162556, सिरमौर में 174695, त्योंथर में 119071 हितग्राहियों की ई केवाईसी अपडेट की जा चुकी है। नगरीय निकायों में नगर निगम रीवा में 66336, नगर परिषद डभौरा में 13325, बैकुण्ठपुर में 6016, चाकघाट में 5839, गोविंदगढ़ में 7092, गुढ़ में 8792, मनगवां में 7159, सेमरिया में 8647, नगर परिषद सिरमौर में 5717 तथा नगर परिषद त्योंथर में 9361 हितग्राहियों की ई केवाईसी अपडेट की जा चुकी है।

समग्र आईडी सत्यापन 90 प्रतिशत होने पर ही वेतन होगा मंजूर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रदेश के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का वेतन कोष एवं लेखा के आईएफएमआईएस पोर्टल के माध्यम से तैयार होता है। पोर्टल में प्रत्येक शासकीय सेवक की इम्पलाई प्रोफाइल बनी हुई है जिसमे समस्त विवरण दर्ज हैं। संचालक कोष एवं लेखा में इम्पलाई प्रोफाइल को समग्र आईडी से सत्यापित करने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में जिला कोषालय अधिकारी पुष्पेन्द्र शुक्ला ने बताया कि सभी आहरण एवं संवितरण अधिकारी तथा कार्यालय प्रमुख उनके अधीन पदस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों की इम्पलाई प्रोफाइल का समग्र आईडी से सत्यापन करके आधार संख्या से लिंक कराएं। समग्र आईडी अपडेशन का कार्य 25 मई तक अनिवार्य रूप से पूरा कर लें। शासन के निर्देशों के अनुसार आईएफएमआईएस पोर्टल समग्र आईडी सत्यापन कुल कर्मचारियों का 90 प्रतिशत होने पर ही कोषालय वेतन मंजूर होगा। अभी जिले के 117 आहरण संवितरण अधिकारियों का समग्र आईडी सत्यापन 90 प्रतिशत से कम है। जिला कोषालय अधिकारी ने बताया कि सभी शासकीय कर्मचारी इम्पलाई सेल्फ सर्विस प्रोफाइल के माध्यम से अपनी समग्र आईडी को दर्ज कर सत्यापित कर सकते हैं। शासन द्वारा निर्धारित समय सीमा में सभी कर्मचारियों की इम्पलाई प्रोफाइल का समग्र आईडी से सत्यापन कराने का अनुरोध किया गया है।

कमिश्नर 21 मई को करेंगे समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर रीवा संभाग बीएस जामोद 21 मई को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से निर्धारित एजेण्डा बिन्दुओं की समीक्षा करेंगे। बैठक कमिश्नर कार्यालय के एनआईसी केन्द्र से शाम 4 बजे आरंभ होगी।

सेना बोली- पाकिस्तान ने गोल्डन टेंपल को निशाना बनाया था

नई दिल्ली/श्रीनगर (एजेंसी)। भारतीय सेना ने कहा कि पाकिस्तान ने अमृतसर के गोल्डन टेंपल पर निशाना बनाकर मिसाइल दागी थी। इसे भारतीय एयर डिफेंस ने नाकाम कर दिया था। सेना के जवानों ने पंजाब में मार गिराए गए पाकिस्तानी ड्रोन और मिसाइल का मलबा भी दिखाया। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारतीय सेना ने एक और नया वीडियो जारी किया। इसमें सेना ने दिखाया कि पाकिस्तान की तरफ से दागे गए ड्रोन को कैसे मार गिराया। वेस्टर्न कमांड ने वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा- हमने जमीन से आसमान की रक्षा की।सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने राजस्थान के लौंगेवाला में सीमावर्ती इलाके का दौरा किया। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में अहम भूमिका निभाने वाले जवानों की सराहना की और भारतीय वायुसेना व बीएसएफ के साथ मिलकर की गई संयुक्त कार्रवाई की समीक्षा की। जैसलमेर से कच्छ तक फैले रेगिस्तानी इलाकों में सेना, वायुसेना और बीएसएफ ने मिलकर दुश्मन के ड्रोन हमलों को नाकाम किया और पश्चिमी मोर्चे पर ऑपरेशनल डोमिनेंस स्थापित की। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सैनिकों की बहादुरी और सतर्कता की सराहना की। जनरल द्विवेदी का पांच दिन में फौज की पोस्ट पर यह पांचवां दौरा था। इससे पहले वे 15 मई को बारामुला में डैगर डिजीवजन की पोस्टों पर पहुंचे थे। इसी दिन उन्होंने श्रीनगर, उरी और ऊंची बस्सी की चौकियों का दौरा किया और सैनिकों को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की बधाई दी थी।

महिला सशक्तिकरण और स्वावलम्बन पर केंद्रित सम्मेलन में होगा लेंगी एक लाख महिलाएं : मुख्यमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेशवासियों के लिए यह गर्व और प्रसन्नता का विषय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का 31 मई को भोपाल आगमन प्रस्तावित है। प्रधानमंत्री श्री मोदी भोपाल के जम्बूरी मैदान में महिला सम्मेलन को संबोधित करेंगे। लोकमाता देवी अहिल्या बाई होलकर के 300वें जयंती वर्ष के शुभारंभ का प्रतीक यह सम्मेलन महिला सशक्तिकरण और स्वावलम्बन को समर्पित होगा। सम्मेलन में लगभग एक लाख महिलाएं भाग लेंगी। कार्यक्रम का संयोजन प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा किया जा रहा है, इसमें भारत सरकार का संस्कृति मंत्रालय भी सहयोग करेगा। कार्यक्रम में भारत सरकार की ओर से लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर को समर्पित डाक टिकट और सिक्के का विमोचन भी प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, संस्कृति, पर्यटन धार्मिक न्यास और धर्मस्व मंत्री श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी

का विजन ही राज्य शासन का मिशन है। उन्होंने ज्ञान के कल्याण के अंतर्गत गरीब-युवा-किसान और नारी सशक्तिकरण के लिए मिशन आरंभ किए हैं। प्रदेश में नारी सशक्तिकरण के लिए संचालित सभी प्रमुख गतिविधियों और उपलब्धियों को महिला सम्मेलन में प्रदर्शित किया जाएगा। सम्मेलन में स्व सहायता समूहों के नवाचारों, उद्योग-रोजगार और स्टार्ट-अप में महिलाओं द्वारा की जा रही पहल, सेव सिटी प्रोजेक्ट सहित विभिन्न विभागों द्वारा महिलाओं के लिए संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों पर केंद्रित स्टॉल लगाए जाएंगे।

दिल्ली हाईकोर्ट बोला- पछताने से बेहतर सतर्क रहें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और सेलेबी दिल्ली कार्गो टर्मिनल मैनेजमेंट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। मामला जस्टिस सचिन दत्ता की बेंच में लिस्टेड था। सेलेबी के वकील एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने कोर्ट को बताया कि बिना कारण बताए सिक्योरिटी क्लियरेंस कैंसिल कर दिया। कंपनी के शेयरहोल्डर्स तुर्किये के हैं, इसी धारणा के कारण ऐसा किया गया। सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा का ही मामला है, क्योंकि कंपनी का कंट्रोल किसके पास है, और उसे कौन निर्देश दे रहा है यह बात ज्यादा मायने रखती है। इस पर कोर्ट ने कहा कि नियम कहता है कि बाद में पछताने से बेहतर है कि सावधानी बरती जाए। इस मामले पर अगली सुनवाई 21 मई को की जाएगी। दरअसल, भारत सरकार ने सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की सुरक्षा मंजूरी 15 मई को तत्काल प्रभाव से रद्द की थी। ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी के आदेश के मुताबिक यह काम राष्ट्रीय सुरक्षा के चलते किया गया। तुर्किये की सेलेबी कंपनी सिक्योरिटी क्लियरेंस रद्द होने के बाद भारतीय एयरपोर्ट पर ग्राउंड हैंडलिंग का काम नहीं कर पाएगी।

मंत्री विजय शाह केस- सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी बनाई

नई दिल्ली/भोपाल (एजेंसी)। कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर विवादित बयान देने वाले मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह की माफी सुप्रीम कोर्ट ने नामंजूर कर दी है। कोर्ट ने मामले की जांच के लिए एसआईटी बनाने का निर्देश दिया है। हालांकि कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी पर भी रोक लगा दी है। शाह के वकील ने कहा कि उनके क्लाइंट ने माफी मांग ली है। इस पर कोर्ट ने उन्हें फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि आप लोगों के सामने पूरी तरह बेनकाब हो चुके हैं। आप पब्लिक फिगर हैं। आपको बोलते समय अपने शब्दों पर विचार करना चाहिए।

ऑपरेशन सिंदूर, जवान बोले- गोली उन्होंने चलाई, धमाका हमने किया

श्रीनगर(एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर लाइन ऑफ कंट्रोल के अखनूर सेक्टर में भारतीय सैनिकों से बातचीत की। जवानों ने बताया कि गोली उन्होंने (पाकिस्तान) चलाई थी, लेकिन धमाका हमने किया। भारतीय सैनिकों ने ये भी बताया कि हमने पाकिस्तान को ऐसा सबक सिखाया है कि दशकों तक वे याद रखेंगे। भविष्य में कुछ भी करने से पहले सौ बार सोचेंगे। ऑपरेशन सिंदूर में शामिल भारतीय सेना के एक मेजर ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर कोई प्रतिक्रिया नहीं थी, बल्कि मिशन-आधारित स्ट्राइक थी। हमारा इरादा बिल्कुल साफ था। हमें दुश्मन के आतंकी ढांचे और उन चौकियों को खत्म करना था, जो घुसपैठ में मदद कर रही थीं।

हम इसके लिए मानसिक, रणनीतिक और लॉजिस्टिक रूप से तैयार थे। पाकिस्तान की तरफ से तोपखाने से भारी हमला हुआ, लेकिन गर्व से कह सकता हूं कि हमारी ओर से कोई जनहानि नहीं हुई। हमारा मकसद बिल्कुल स्पष्ट था कि आतंकी ढांचे को जड़ से खत्म करना। जब उन्होंने हमारे नागरिक क्षेत्रों और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाना शुरू किया तो हमने भी तय कर लिया कि अगर वे हमारे गांवों पर गोले बरसाएंगे, तो हम उनकी चौकियों को तबाह कर देंगे। हमारा हर गोला उनके लिए करारा जवाब था। हमने यह भी सुनिश्चित किया कि हमारे किसी नागरिक को कोई नुकसान न हो।

विदेश सचिव ने संसदीय समिति को ब्रीफ किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद भवन में विदेशी मामलों की स्थायी समिति की बैठक के लिए विदेश सचिव विक्रम मिस्री और कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला पहुंचे। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने सोमवार को भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष पर संसदीय समिति को ब्रीफ किया। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के तहत एयरस्ट्राइक और 10 मई को हुए भारत-पाकिस्तान सीजफायर सहमति की पूरी जानकारी दी। बैठक में कांग्रेस सांसद शशि थरूर, तृणमूल कांग्रेस के अभिषेक बनर्जी, कांग्रेस के राजीव शुक्ला और दीपेंद्र हुड्डा, असदुद्दीन ओवैसी और बीजेपी की अपराजिता सारंगी व अरुण गोविल जैसे कई सदस्य मौजूद रहे। केंद्र

सरकार ने 59 सदस्यों वाले 7 डेलिगेशन (ग्रुप) की घोषणा की है। इसमें 51 नेता और 8 राजदूत हैं। एनडीए के 31 और 20 दूसरे दलों के हैं, जिसमें 3 कांग्रेस नेता भी हैं।

हरियाणा में 15-16 साल के 2 लड़कों की हत्या

कैथल (एजेंसी)। हरियाणा के कैथल में 2 लड़कों की गला काटकर हत्या कर दी गई। इसके बाद लाशें ड्रेन के पास फेंक दी गईं। दोनों रविवार शाम से लापता थे। पहले परिवार को लगा कि इनमें एक लड़का 10वीं के पास हो गया था तो उसकी खुशी मनाने गए होंगे।

हालांकि देर रात घर न लौटने पर उनकी तलाश की गई। मोबाइल लोकेशन से परिजन ड्रेन के पास पहुंचे तो हत्याकांड का पता चला। इसके बाद पुलिस बुलाई गई। दोनों लड़कों की पहचान बरेटा गांव निवासी प्रिंस (15) पुत्र रोहताश और अरमान (16) पुत्र प्रीतम के रूप में हुई है। अरमान पांच बहनों को इकलौता भाई था।पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही पुलिस ने प्रिंस की पिता की शिकायत पर गांव के ही नौ नाबालिग लड़कों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।चाचा बनी सिंह ने बताया कि प्रिंस और अरमान रविवार की शाम को साढ़े 4 बजे गांव के शिव मंदिर के पास देखे गए थे। इसके बाद घर आकर पशुओं को पानी पिलाया। यहां परिजनों ने दोनों को 5 बजे तक देखा। पशुओं पानी पिलाने के बाद दोनों साथ ही घर से निकलते देखे गए।

सेना पर कमेंट करने वाले हरियाणा के प्रोफेसर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे

सोनीपत (एजेंसी)। सेना के ऑपरेशन सिंदूर पर कमेंट करने वाले सोनीपत की अशोका यूनिवर्सिटी के एसोसिएट प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद अपनी गिरफ्तारी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए हैं। उनके एडवोकेट कपिल सिब्बल ने चीफ जस्टिस बीआर गवई की बेंच से जल्द सुनवाई की मांग की है। 20 या 21 मई को इस मामले की सुनवाई हो सकती है।

उधर, कांग्रेस भी अली खान के समर्थन में आ गई है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, मैं किसी भी व्यक्ति की ट्रोलिंग और गैर कानूनी गिरफ्तारी की निंदा करता हूं। अली खान महमूदाबाद की गिरफ्तारी से पता चलता है कि भाजपा किसी भी राय (विचार) से कितना डरती है, जो उन्हें पसंद नहीं है।

मूल रूप से उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के रहने वाले अली खान के दादा विभाजन से पहले मुस्लिम लीग के कोषाध्यक्ष थे। उन्होंने मुस्लिम लीग की आर्थिक मदद भी की थी। अली खान ने उच्च शिक्षा विदेश में ली।

पूर्व सीएम चरणजीत चन्नी को मिलेगा संसद रत्न

जालंधर (एजेंसी)। जालंधर लोकसभा सीट से सांसद और राज्य के पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी को संसद रत्न के सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। पिछले 16 वर्षों में पहली बार देश की लोकसभा के लिए पंजाब से चुने गए किसी सांसद को संसद रत्न पुरस्कार के लिए चुना गया है। जालंधर लोकसभा क्षेत्र से भारी बहुमत से जीतकर देश की लोकसभा में पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को संसद रत्न

पुरस्कार के लिए चुना गया है। देश के दिवंगत राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के नेतृत्व में प्राइम प्वाइंट फाउंडेशन द्वारा 2010 में शुरू किए गए इस पुरस्कार के लिए अब तक 17 संसद सदस्यों और दो लोकसभा स्थायी समितियों के अध्यक्षों का चयन किया जा चुका है।

इस पुरस्कार में कृषि एवं किसान कल्याण समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत चरणजीत सिंह चन्नी को उनके किसान और खेत मजदूर खेल प्रदर्शन को देखते हुए इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए चुना गया है। इस संबंध में रविवार शाम संसद रत्न पुरस्कार समिति की ओर से जारी एक बयान में जानकारी साझा की गई।

हैदराबाद में आईएसआईएस से जुड़े 2 संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार

हैदराबाद (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना की काउंटर इंटेलिजेंस सेल ने एक ज्वाइंट ऑपरेशन के तहत संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया। (फाइल फोटो) हैदराबाद में आतंकी संगठन आईएसआईएस से जुड़े दो संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार किए गए हैं। इन पर बम धमाके की साजिश रचने का आरोप है। रविवार को आंध्र प्रदेश और तेलंगाना पुलिस ने दोनों को पकड़ा और बम ब्लास्ट होने से बचा लिया। संदिग्ध आतंकियों की पहचान सिराज उर रहमान (29) और सैयद समीर (28) के रूप में हुई है। पुलिस को संदेह है कि इन दोनों को सऊदी अरब में एक्टिव आईएसआईएस मॉड्यूल से निर्देश मिल रहे थे, जो हैदराबाद में हमला करवाना चाहता था। पुलिस को इनके पास से अमोनिया, सल्फर और एल्युमिनियम पाउडर जैसे विस्फोटक सामान मिले हैं। सिराज ने विस्फोटक सामग्री विजयनगरम से जुटाई थी। फिलहाल संदिग्ध आतंकियों से पूछताछ जारी है।

नए वक्फ कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए वक्फ कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट 20 मई को सुनवाई करेगा। उससे पहले केंद्र और 5 मुख्य याचिकाकर्ता आज अपना हलफनामा पेश करेंगे। 15 मई को दायर हुई नई याचिकाओं को खारिज करते हुए सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह ने कहा था कि अंतरिम राहत दिए जाने के मुद्दे पर ही सुनवाई की जाएगी। वहीं, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड

ने भी नए वक्फ कानून के विरोध में देशव्यापी प्रदर्शन दोबारा शुरू कर दिया है। 18 मई को जारी एक बयान में बोर्ड ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर और देश में बने हालात देखते हुए, वक्फ बचाओ अभियान, जो 16 मई तक स्थगित किया गया था, उसे दोबारा शुरू किया गया है। नए वक्फ कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में 70 से ज्यादा याचिकाएं दायर हुईं, लेकिन कोर्ट सिर्फ 5 मुख्य याचिकाओं पर ही सुनवाई करेगा।

यूट्यूबर ज्योति एनआईए हिरासत में, टेरर कनेक्शन में पूछताछ होगी

हिसार (एजेंसी)। पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने हिरासत में ले लिया है। एनआईए की टीम सोमवार को ज्योति से पूछताछ करने हिसार पहुंची थी। इसके बाद उसे हिरासत में लेकर चंडीगढ़ ले गई। अब ज्योति से टेरर लिंक को लेकर पूछताछ की जाएगी। इसके साथ जम्मू इंटेलिजेंस भी यूट्यूबर से पूछताछ करेगी। इससे पहले

यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा का इंस्टाग्राम अकाउंट बैन कर दिया गया। उसके 1.39 लाख फॉलोअर्स थे। रविवार, 18 मई की रात को भी हिसार पुलिस ज्योति के घर पहुंची थी। वहां छानबीन कर कुछ दस्तावेज जब्त किए गए हैं।

भारत-पाक सीमा पर फेंसिंग पार खेती की अनुमति मिली

अमृतसर (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम के बाद अब सीमा पर भी नरमी बरती जा रही है। एक तरफ जहां भारत सरकार ने अफगानी ट्रकों को अटारी से आने की इजाजत दे दी है, वहीं अब सीमा क्षेत्र के किसानों को भी फेंसिंग के पार खेतों में काम करने की अनुमति मिल गई है। जिसके बाद अब किसान सीमा पार पराली काटना शुरू कर सकते हैं। बीएसएफ सूत्रों के अनुसार, किसानों को उनके वैध अधिकारों के तहत उनकी जमीन पर खेती करने की सुविधा देने के उद्देश्य से यह फैसला लिया गया है। फेंसिंग के पार खेती के लिए विशेष सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए गए हैं, ताकि किसान सुरक्षित तरीके से कृषि कार्य कर सकें। इन किसानों की सुरक्षा की जिम्मेदारी बीएसएफ किसान फोर्स के जवान उठा रहे हैं।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच विवाद होने के कारण किसानों को मात्र दो ही दिन मिले थे। जिसमें किसान सिर्फ अपनी गेहूं की फसल को ही काट पाए थे। जबकि, फसल के पीछे बची पराली वैसी की वैसी ही खड़ी थी। बीएसएफ की तरफ से छूट मिलने के बाद अब किसान अपनी पराली काटने का काम शुरू कर सकते हैं।अगर भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव और बढ़ता तो किसानों का एक पूरा सीजन खराब हो सकता था। अब किसान पराली जलाने के बाद तारों के पार धान रोपने का काम शुरू कर सकत हैं। पंजाब में धान रोपित करने का काम 15 मई से शुरू हो चुका है। जिसके बाद अब किसान जल्द ही तारों के पार भी धान लगा सकते हैं।बीएसएफ की तरफ से भारत-पाकिस्तान युद्ध शुरू होने से पहले तक किसानों को सरहद पर तारों के पार काम करने की अनुमति दी गई थी। लेकिन पाकिस्तान की तरफ तनाव के बीच किसान अपनी फसल भी काट नहीं पाए। जिसके चलते अभी तक सरहद पार पाक किसानों की गेहूं वैसी की वैसी खड़ी है।

बेंगलुरु में 4 इंच बारिश- गाड़ियां डूबीं, घरों में पानी

नई दिल्ली। बेंगलुरु में रविवार को तेज बारिश हुई। यहां 110 मिमी. से ज्यादा बारिश होने से सड़कों और घरों में पानी भर गया। कई इलाकों में गाड़ियां डूब गईं और वाटर लॉगिंग वाले इलाकों से लोगों को रेस्क्यू करना पड़ा। बेंगलुरु के महादेवपुरा इलाके में दीवार गिरने से 35 साल की महिला की मौत हो गई है। रेस्क्यू टीम ने बताया- बीती रात की भारी बारिश के बाद दीवार की नींव कमजोर हो गई, जिससे हादसा हुआ। मौसम विभाग ने बेंगलुरु में आज और कल भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 50 से 60 केएमपीएच की रफ्तार से हवाएं भी चल सकती हैं। बारिश का दौर इस हफ्ते के आखिर तक जारी रह सकता है। राजस्थान में

तेज गर्मी का दौर जारी है। रविवार को जयपुर के स्वस्थ स्टेडियम में एमएमएस मैच देखने पहुंचे दर्शक गर्मी की वजह से लौट गए। आज भी प्रदेश में यहीं मौसम बना रह सकता है। वहीं, मध्य प्रदेश में लू का अलर्ट जारी किया गया है।

इधर, बिहार और कश्मीर में रविवार को आंधी और बिजली गिरने की वजह से 8 लोगों की मौत हो गई। बिहार में 5 की मौत बिजली गिरने और एक महिला की मौत पेड़ गिरने से हुई। वहीं, कश्मीर के शोपियां जिले के बेहक गडर गांव में पेड़ के नीचे दबकर पिता और बेटी की मौत हो गई।

मौसम विभाग ने सोमवार को एमपी-झारखंड समेत 14 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में तेज बारिश के साथ ओलावृष्टि हो सकती है। वहीं, राजस्थान में धूलभरी आंधी के साथ हीट वेव की चेतावनी है।

एशिया कप नहीं खेलेगी भारतीय टीम, टूर्नामेंट का रद्द होना तय

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एशिया कप खेल ने से इंकार कर दिया है। इससे भारत की मेजबानी में इस साल सितंबर में होने वाले इस पुरुष एशिया कप का आयोजन खतरे में पड़ गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई ने इस टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। बीसीसीआई ने पाकिस्तान के मंत्री मोहसिन नकवी की अध्यक्षता वाली एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) को बताया है कि वह जून में श्रीलंका में होने वाली महिला इमर्जिंग टीम एशिया कप और पुरुष एशिया कप 2025 से अपने नाम वापस ले रहा है।इसका कारण पहलगाम आतंकी हमला और उसके बाद पाकिस्तान से सैन्य संघर्ष कारण तनाव बढ़ने को बताया गया है। बीसीसीआई का कहना है कि भारतीय टीम किसी ऐसे टूर्नामेंट में नहीं खेल सकती है, जिसके आयोजन का प्रमुख पाकिस्तान का कोई मंत्री हो। साथ ही कहा कि यह पूरे देश की भावना है। इसी कारण हमने आगामी महिला इमर्जिंग टीम एशिया कप से अपनी वापसी के बारे में एसीसी को जानकारी दे दी है। साथ ही कहा कि भविष्य में एसीसी के आगे के आयोजनों में भी हम भाग नहीं लेंगे।

गौरतलब है इस साल एशिया कप की मेजबानी भारत को करनी थी और अगले साल होने वाले टी-20 विश्व कप को देखते हुए इसे टी-20 प्रारूप में खेला जाना था। इस टूर्नामेंट इससे पहले 2023 में आयोजन हुआ था।तब भारतीय टीम ने श्रीलंका को हराकर जीत दर्ज की थी। एशिया कप के अधिकतर प्रायोजक भारतीय कंपनियां हैं इसलिए भारतीय टीम के नहीं खेलने से ये टूर्नोमेंट रद्द होना तय है। भारत और पाकिस्तान के अलावा इस टूर्नामेंट में श्रीलंका, अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश की टीमें भी खेलती हैं। एशिया कप का पिछला सत्र पाकिस्तान में हुआ था।

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने गेंदबाज मोहम्मद शमी से मुलाकात की

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अपने आवास पर भारतीय क्रिकेट टीम के गेंदबाज मोहम्मद शमी से मुलाकात की। शमी आज लखनऊ में लखनऊ सुपरजायंट्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच होने वाले आईपीएल मैच के सिलसिले में राजधानी में हैं।

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर लिखा, ''भारतीय क्रिकेट टीम के प्रख्यात गेंदबाज मोहम्मद शमी जी से आज लखनऊ स्थित सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट हुई।'' मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर शमी के साथ तस्वीर भी साझा की। लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैदान में उतरेगी। इस मैच में शमी सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ से खेलेंगे।

ईसीबी ने भारत दौरे से पहले डेटा विश्लेषकों को हटाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के खिलाफ अगले माह होनी वाली सीरीज को देखते हुए इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) बदलावों में लगी है। इसी के तहत ही उसने अपने डेटा विश्लेषकों फ्रेडी वाइल्ड और नाथन लेमन को हटा दिया है। इसका कारण टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम को डेटा जैसी बातों पर भरोसा नहीं होना है। एक रिपोर्ट के अनुसार लेमन और फ्रेडी के बाहर होने से तय है कि टीम अ डेटा आंकलन पर अधिक जोर नहीं दे रही। लीमन और वाइल्ड सबसे वरिष्ठ डेटा विश्लेषक और सीमित ओवरों के विश्लेषक है। दोनों राष्ट्रीय टीम के साथ काफी समय रहे हैं। अब ये दोनो इस महीने के अंत में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज में शामिल नहीं रहेंगे। इस सीरीज में इंग्लैंड टीम पहली बार हैरी ब्रूक की कप्तानी में उतरेगी। मैकुलम डेटा आधारित आंकलन को फायदेमंद नहीं मानते हैं। इस पूर्व कप्तान का मानना है कि ये टेस्ट प्रारुप की जगह पर टी20 प्रारूप के लिए अधिक लाभदायक है। मैकुलम का मानना है कि कि सहायक कर्मचारियों की कम संख्या से माहौल भी सरल बनता है। उन्होंने कहा, ' वह इंग्लैंड के खिलाड़ियों को अपनी तैयारी और प्रदर्शन के लिए अधिक जिम्मेदारी लेने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। इसके साथ ही मैच वाले दिनों में ड्रेसिंग रूम की व्यवस्था भी ठीक की जाएगी। डेटा विश्लेषकों की मांग पिछले कुछ समय में तब बड़ी जब टीमें अपने साथ ही विरोधी खिलाड़ियों का भी आंकलन करने लगी थीं। भारत और इंग्लैंड के बीच होने वाली सीरीज से विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्यलूटीसी) का अगल सत्र शुरु होने जा रहा है।

आरसीबी फाइनल में पहुंची तो स्टेडियम में रहूंगा-विलियर्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज एबी डी विलियर्स ने कहा है कि अगर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम आईपीएल फाइनल में पहुंची तो वह मैच देखने भारत जाएंगे।

लंबे समय तक आरसीबी से खेले विलियर्स ने कहा है कि इस बार टीम ने काफी अच्छा खेला है और वह खिताब जीत सकती है। इस क्रिकेटर के अनुसार इस बार आरसीबी बहुत अच्छा खेल रही है और यह टीम प्लेऑफ में अपनी जगह तकरीबन पक्की कर चुकी है।

विलियर्स ने आईपीएल में 11 साल तक आरसीबी से खेला है। वह साल 2011 से 2021 तक टीम में रहे हैं। उनकी विराट कोहली के साथ कई धमाकेदार पारियां रहीं हैं। एक समय ऐसा था जब आरसीबी के पास कोहली, डी विलियर्स और क्रिस गेल जैसे खतरनाक बल्लेबाज थे। हालांकि टीम इसके बाद भी एक बार भी आईपीएल खिताब नहीं जीत पायी थी। इस सीजन में टीम के बेहतरीन प्रदर्शन को देखकर उत्साहित डी विलियर्स ने कहा कि वह अपने करीबी दोस्त विराट कोहली के साथ ट्रॉफी उठाना चाहते हैं। इसलिए, अगर आरसीबी फाइनल में पहुंचती है तो वह निश्चित रूप से भारत आएंगे।

केएल राहुल ने शतक जड़कर रचा इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स के स्टार बल्लेबाज केएल राहुल ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ नाबाद शतकीय पारी खेलकर इतिहास रच दिया है। वह आईपीए इतिहास में तीन अलग-अलग टीमों के लिए शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। इसके साथ ही आईपीएल में सबसे ज्यादा शतक बनाने के मामले में शुभमन गिल को पछाड़ दिया है।

दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में टॉस गंवाने के बाद दिल्ली कैपिटल्स ने पहले बल्लेबाजी की। इस दौरान टीम ने ओपनिंग जोड़ी में बदलाव करते हुए केएल राहुल को भेजा। राहुल ने अपने क्लास का परिचय दिया और

स्टेडियम के हर एरिया में शॉट खेले।

राहुल ने पहले 33 रन बनाकर टी20 क्रिकेट में अपने 8 हजार रन पूरे किए। इसके बाद 35 गेंद पर राशिद खान की गेंद पर चौका लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। इसके बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा और महज 26 गेंदों में पचासा ठोका। इस शतक की बदौलत राहुल ने आईपीएल में इतिहास रच दिया।

वह आईपीएल इतिहास में तीन अलग-अलग फ्रेंजाइजियों के लिए शतक बनाने वाले पहले बल्लेबाज बने। केएल राहुल ने पंजाब किंग्स, लखनऊ सुपर जाएंट्स और दिल्ली कैपिटल्स के लिए शतक जड़े हैं। यही नहीं राहुल आईपीएल में सबसे ज्यादा शतक जड़ने के मामले में चौथे खिलाड़ी बन गए हैं।

ट्रेविस हेड हुए कोरोना से संक्रमित

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जाएंटस के खिलाफ मुकाबले से पहले सनराइजर्स हैदराबाद के लिए बुरी खबर है। दरअसल, प्रेस कॉन्फ्रेंस में टीम के हेड कोच डेनियल विटोरी ने बताया कि ट्रेविस हेड को कोरोना हो गया है। जिस कारण उनकी भारत वापसी में देरी हुई है। हालांकि, ये पुष्टि नहीं हो पाई है कि उन्हें ये संक्रमण कब और कहां हुआ?

सोमवार को आईपीएल 2025 के 61वें मैच में लखनऊ सुपर जाएंट्स का सामना सनराइजर्स हैदराबाद के साथ होगा। मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में विटोरी ने कहा कि हेड सोमवार सुबह भारत पहुंचेंगे। इसके बाद टीम के मेडिकल स्टाफ द्वारा उनके स्वास्थ्य का मूल्यांकन किया जाएगा।

भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण आईपीएल स्थगित होने के बाद ट्रेविस हेड और सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ऑस्ट्रेलिया रवाना हो गए थे। उनके जाने के बाद ये पता नहीं था कि वे वापसी करेंगे या नहीं क्योंकि 11 जून से इन दोनों को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में भी खेलना है।

वहीं हैदराबाद ने पुष्टि की है कि हेड और कमिंस शेष मैचों के लिए टीम में शामिल होंगे। हैदराबाद की टीम प्लेऑफ्स की रेस से बाहर हो गई है अपना आखिरी लीग मैच 25 मई को खेलेगी, जिससे उन्हें डब्ल्यूटीसी की तैयारी के लिए काफी समय मिल जाएगा।

खेल मंत्री ने खेलो इंडिया योजना के तहत कई खेलों की शुरुआत की घोषणा की

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने रविवार को खेलो इंडिया पहल के दायरे को व्यापक बनाने की घोषणा की जिसमें इस साल से स्कूली खेल, मार्शल आर्ट, तटीय खेल और 'वाटर स्पोर्ट्स' शामिल होंगे। खेलो इंडिया का वार्षिक कैलेंडर लॉन्च करते हुए मांडविया ने कहा कि सरकार जल्द ही खेलो इंडिया खेलों और अन्य प्रतियोगिताओं की एक सीरीज शुरू करेगी जिसमें खेलो इंडिया 'नॉर्थ-ईस्ट गेम्स' भी शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य भारत के खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना, जमीनी स्तर पर प्रतियोगिताओं को बढ़ावा देना और प्रतिभाओं की पहचान के लिए साल भर के लिए रणनीतिक कार्यक्रम प्रदान करना है। मांडविया ने कहा, ''खेलो इंडिया वार्षिक कैलेंडर केवल एक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह भारत को वैश्विक खेल महाशक्ति में बदलने के लिए भारत की घरेलू प्रतियोगिता संरचना को मजबूत करने वाला एक रणनीतिक खाका है।'' उन्होंने कहा, ''पिछले एक दशक में भारतीय खेलों में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। हमने खेलो इंडिया पहल के तहत नियमित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के साथ एक गतिशील और समावेशी खेल पारिस्थितिकी तंत्र बनाया है।'' मांडविया ने कहा, ''हम जल्द ही खेलो इंडिया 'बीच गेम्स' (केआईबीजी), खेलो इंडिया स्कूल गेम्स (केआईएसजी), खेलो इंडिया 'वाटर स्पोर्ट्स', खेलो इंडिया 'नॉर्थ-ईस्ट गेम्स' आदि की शुरुआत करेंगे।'' उन्होंने कहा कि ये टूर्नामेंट भारत की युवा प्रतिभाओं की पहचान करने, उन्हें निखारने और तैयार करने में अहम होंगे। खेलो इंडिया मंच में पहले से ही चार राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता शामिल हैं जिसमें खेलो इंडिया युवा खेल, खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेल, खेलो इंडिया पैरा खेल और खेलो इंडिया शीतकालिन खेल शामिल हैं।

मांजरेकर बोले आईपीएल के इस सत्र में सूर्या का प्रदर्शन रहा है सबसे अच्छा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा है कि इस आईपीएल सत्र में मुम्बई इंडियंस के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। साथ ही कहा कि सूर्या के अलावा मुम्बई के ही हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव और रोहित शर्मा ने भी जरुरत पड़ने पर अपनी-अपनी टीमों की ओर से अच्छा प्रदर्शन किया है। इसी कारण शुरुआती झटकों के बाद टीम संभल गयी। सूर्या ने इस सत्र के 12 मैचों में तीन अर्धशतक के साथ ही कुल 500 से अधिक रन बनाए हैं। सूर्या ऑरेंज कैप है की दौड़ में भी शीर्ष पर हैं। इस सत्र में मुम्बई की शुरुआत खराब रही और वह अपने पहले मैचों में हारी थी। इसके बाद टीम ने लगातार छह मैच जीतकर वापसी की। 12 मैच में 14 अंकों के साथ ही मुम्बई प्लेऑफ की दोड़ में बनी हुई है।

मांजरेकर ने कहा, मुझे लगता है कि मुम्बई अच्छा प्रदर्शन करती रहेगी। हालांकि कुछ विदेशी खिलाड़ियो के जाने से उसे थोड़ी परेशानी हो सकती है। साथ ही कहा कि टीम शुरुआत में अनिश्चित दिखी पर अब सही दिशा में जा रही है। सूर्यकुमार अपने सर्वश्रेष्ठ फार्म में हैं। मुम्बई के पास कई ऐसे खिलाड़ी हैं जो अधिक दबाव वाले हालातों में और निखरते हैं। इसमें सूर्या के आलावा हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव और रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ी हैं। इसी कारण टीम को लगातार सफलता मिली है। रही है।

जिस प्रकार सीएसएके के पास शेन वॉटसन या माइक हसी जैसे स्टार खिलाड़ी थे उसी प्रकार के खिलाड़ी भी मुम्बई के पास हैं जो आगे बढ़कर मोर्चा संभालते हैं। इसी कारण ये टीमें पांच -पांच बार खिताब जीती हैं। अब मुंबई इंडियंस का लक्ष्य अपने 21 मई को होने वाले अपने मैच में दिल्ली कैपिटल्स हो हराना रहेगा। ये मैच मुम्बई की टीम को अपने घरेलू मैदान वानखेड़े स्टेडियम में खेलना है जिसका लाभ भी उसे मिलेगा।

बुमराह को कप्तान बनाने के पक्ष में इशांत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व तेज गेंदबाज इशांत शर्मा का का मानना है कि आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए जसप्रीत बुमराह को भारतीय टीम की कप्तानी दी जानी चाहिये। इशांत के अनुसार अगर बुमराह पूरी सीरीज खेलने के लिए उपलब्ध नहीं होते है तभी शुभमन गिल को कप्तानी दी जानी चाहिये। इंग्लैंड दौर के ठीक पहले अचानक ही रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के कारण अगले कप्तान की तलाश जारी है। कप्तानी की दौड़ में शुभमन का नाम सबसे आगे हैं हालांकि पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर और अनिल कुंबले बुमराह को कप्तान बनाये जाने के पक्ष में हैं पर कई खिलाड़ियों का मानना है कि बुमराह की खराब फिटनेस को देखते हुए वह कप्तानी के योग्य नहीं हैं।

इशांत ने कहा कि अगर बुमराह फिट होते हैं तो मैं कहूंगा कि बुमराह को कप्तानी मिलनी चाहिये क्योंकि उनके

पास लंबा अनुभव है। लेकिन अगर वह सभी पांच टेस्ट मैच नहीं खेलेंगे तो शुभमन को ये जिम्मेदारी दें। बुमराह इससे पहले 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ हुए 5वें टेस्ट और ऑस्ट्रेलिया में 2024-25 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले और पांचवें टेस्ट में भारत की कप्तानी कर चुके हैं। हालांकि उनकी फिटनेस को लेकर सवाल उठते रहे है। दो साल पहले ही उनकी पीठ की सर्जरी हुई थी। इसी कारण वह जनवरी में सिडनी टेस्ट के दूसरे के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर रहे। वह चैंपियंस ट्रॉफी भ नहीं खेल पाये। थे। वहीं शुभमन को सीमित ओवरों के कुछ मैचों में कप्तानी का अनुभव है। इसके अलावा आईपीएल में भी वह वह गुजरात टाइटन्स के कप्तान के रूप में सफल रहे हैं। वहीं इस तेज गेंदबाज ने विराट कोहली के संन्यास को लेकर कहा कि मुझे कभी नहीं लगा कि वह विराट कोहली है। मेरी लिए वह बचपन का दोस्त है। मैंने उसे हमेशा ऐसे ही देखा है। उसने मुझे भी ऐसे ही देखा है।

विरासत से विकास

300वीं जन्म जयंती पर
लोकमाता अहिल्याबाई होलकर
को कृतज्ञतापूर्ण नमन

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

लोकमाता अहिल्याबाई
के मूल्यों एवं आदर्शों को समर्पित
राजवाड़ा, इंदौर में
मध्यप्रदेश मंत्रिपरिषद बैठक
का आयोजन

विकसित मध्यप्रदेश @2047
विज़न डॉक्यूमेंट पर मंथन

अध्यक्षता
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

20 मई, 2025 । पूर्वाह्न 11:00 बजे

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

D11027/25

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।